E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

एक्टर पवन सिंह समेत 4 फिल्म प्रॉड्यूसर्स पर एफआईआर,वाराणसी के कारोबारी से 1.5 करोड़ ठगे, पैसे मांगने पर हत्या की धमकी दी पेज न. 8..

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -156 | प्रयागराज, गुरुवार 04 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- भारत का अमेरिका से एकतरफा रिश्ता,उन्होंने 100फीसदी टैरिफ लगाया, वे हमसे व्यापार कर रहे थे, क्योंकि हमने चार्ज नहीं वसूला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत पर 50फीसदी टैरिफ इसलिए लगाया है, क्योंकि लंबे समय तक दोनों देशों के बीच 'एकतरफा रिश्ता' था। एक प्रेस ब्रीफिंग में ट्रम्प ने कहा कि भारत, अमेरिकी सामानों पर 100फीसदी टैरिफ लगाता है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। इसकी वजह से अमेरिका और भारत के व्यापार में असंतुलन पैदा हो गया है। ट्रम्प ने उदाहरण देते हुए बताया कि अमेरिकी कंपनी हार्ले डेविडसन भारत में मोटरसाइकिल नहीं बेच पा रही थी, क्योंकि भारत ने 200फीसदी टैरिफ लगाया हुआ था। इस वजह से कंपनी ने भारत में ही एक प्लांट बनाया, जिससे अब उसे टैरिफ नहीं देना पड़ता। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका द्वारा भारतीय आयातों पर 50फीसदी टैरिफ लगाने के बाद आर्थिक तनाव बढ़ा है और इसके साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत को 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ झेलना पड़ रहा है। ट्रम्प ने फिर से अपनी टैरिफ नीति का बचाव करते हुए इसे 'जंग सुलझाने वाला हथियार' बताया। उन्होंने कहा कि इस नीति की वजह से अमेरिका को 'बातचीत की बेहतरीन ताकत' मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को बातचीत के लिए एक जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोके हैं। ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया की रीढ़ है और उनके पहले चार सालों में उन्होंने इसे बेहद मजबूत बनाया था, लेकिन बाइडेन प्रशासन ने इसे कमजोर कर दिया, लेकिन अब उनकी टैरिफ नीति से अमेरिका आर्थिक रूप से सबसे ताकतवर बन गया है।ट्रम्प ने दावा किया कि ज्यादा टैरिफ की वजह से कई कंपनियां अमेरिका के बाहर उत्पादन करती हैं। लेकिन उनकी नीतियों की वजह से हालात बदल रहे हैं और अब हजारों कंपनियां अमेरिका में आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कई कार कंपनियां चीन, मेक्सिको और कनाडा से आकर अमेरिका में फैक्ट्री बना रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे 3 बड़ी वजहें हैं। कंपनियां अमेरिका में रहना चाहती हैं, टैरिफ उन्हें सुरक्षा देते हैं, और यहां निर्माण करने से उन्हें एक्स्ट्रा टैक्स नहीं देना पड़ता। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अमेरिका के लिए फायदेमंद है और यही वजह है कि उन्होंने भारत पर कड़ा टैरिफ लगाया।ट्रम्प ने यह भी साफ कर दिया कि वे भारत पर लगाए गए टैरिफ कम करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते बहुत अच्छे हैं। ट्रम्प ने पहले भारत के निर्यात पर 25फीसदी शुल्क लगाया था, लेकिन इसे बढ़ाकर 50फीसदी कर दिया गया। इसका असर अमेरिका को भेजे जाने वाले भारत के 55फीसदी से ज्यादा सामान पर पड़ा। सोमवार को सोशल मीडिया पर ट्रम्प ने लिखा था कि भारत ने अपने टैरिफ घटाने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि यह कब हुआ और क्या अमेरिका भारत के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू करेगा। उन्होंने बस इतना कहा, 'अब देर हो चुकी है। उन्हें यह सालों पहले करना चाहिए था।

पाकिस्तान के क्वेटा में रैली के दौरान ब्लास्ट, 14 मरे,30 से ज्यादा घायल

क्वेटा। पाकिस्तान के क्वेटा में मंगलवार रात बलूच नेशनल पार्टी की रैली हुई। रैली के खत्म होने के तुरंत बाद बम विस्फोट हुआ, जिसमें

14 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। घायलों में पूर्व सांसद अहमद नवाज और पार्टी नेता मूसा बलूच भी शामिल हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहवानी स्टेडियम में बलूचिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि पर एक रैली निकाली गई। इसके बाद पार्किंग में सुसाइड अटैक हुआ।आत्मघाती हमलावर ने मार्च में लाक दर्रे पर हुए हमले की तरह ही विस्फोट करने से पहले मेंगल के जाने का इंतजार किया। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।चश्मदीदों के मुताबिक हमलावर बिना दाढ़ी वाला था। उसकी उम्र 35-40 साल थी। उसके पास बॉल बेयरिंग से भरा लगभग 8 किलो विस्फोटक था।इससे पहले सरदार अख्तर मेंगल और बीएनपी-एम के विरोध प्रदर्शन में शामिल अन्य लोग मार्च 2025 में मस्तुंग जिले के लाकपास क्षेत्र के पास हुए आत्मघाती हमले में बच गए थे। हमलावर ने धरना स्थल से दूर खुद को उड़ा दिया था, क्योंकि सुरक्षा गार्डों ने उसे रोक लिया था। इसलिए वह मंच तक नहीं पहुंच पाया, जहां बीएनपी-एम के नेता मौजूद थे।

चीन ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें दिखाईं,विक्ट्री डे परेड में माओ जैसी ड्रेस में पहुंचे राष्ट्रपति जिनपिंग,कहा- हम डरते नहीं, आगे बढ़ते हैं

एडवांस हथियारो का किया प्रदर्शन

बीजिंग। दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार के 80 साल पूरे होने पर चीन में बुधवार को विक्ट्री डे परेड मनाया गया। राष्ट्रपति शी

जिनपिंग ने राजधानी बीजिंग के थियानमेन चौक पर परेड की सलामी ली। जिनपिंग के भाषण के बाद सैन्य परेड निकाली गई। जिनपिंग ने कहा कि चीन किसी की धमकियों से नहीं डरता और हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने लोगों से इतिहास याद रखने और जापान के खिलाफ लड़ने वाले सैनिकों को सम्मान देने की अपील की। बीबीसी ने बताया कि परेड में हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल्स, वाईजे-21 एंटी-शिप क्रूज मिसाइल और द्ब-3 पनडुब्बी से छोड़ी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शामिल थी। वहीं डीएफ -5सी न्यूक्लियर इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का एडवांस वर्जन 6एफ भी दिखाया गया।यह चीन की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड है। परेड से पहले शी जिनपिंग के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन समेत दुनिया के 25 देशों के नेता मंच पर दिखाई दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीजिंग इस परेड के जरिए यह साबित किया कि वह अमेरिका का विकल्प है और दुनिया में गैर-पश्चिमी देशों का नेतृत्व करने की ताकत रखता है। भारत के पड़ोस से पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर, नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू परेड में मौजूद रहे। बीजिंग में हुई विक्ट्री डे परेड में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन शामिल हुए। यह पहला मौका था जब जिनपिंग, पुतिन और किम जोंग उन एक साथ सार्वजनिक मंच पर दिखाई दिए। शी जिनपिंग ने खुद को एक वैश्विक नेता की तरह पेश किया।रूसी न्यूज एजेंसी तास के मुताबिक परेड खत्म होने के बाद अब पुतिन और किम जोंग उन के बीच द्विपक्षीय बातचीत हो सकती है। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा था कि-'परेड और रिसेप्शन में किम जोंग उन और पुतिन साथ रहेंगे। हमें उम्मीद है कि बातचीत होगी।' पुतिन और किम की पिछली मुलाकात जून 2024 में प्योंगयांग में हुई थी। इससे पहले किम ने रूस का दौरा कर व्लादिवोस्तोक और वस्तोच्नी स्पेस सेंटर में पुतिन से मुलाकात की थी। चीन की सैन्य परेड में इस बार पहली बार एयरोस्पेस फोर्स, साइबरस्पेस फोर्स और इंफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स की टुकड़ियां शामिल हुईं। रक्षा विश्लेषक माइकल रास्का

के मुताबिक, बीजिंग यह संदेश देना चाहता है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को अब डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जॉइंट ऑपरेशनों पर फोकस कर दोबारा खड़ा किया जा रहा है। रास्का सिंगापुर की नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में मिलिट्री ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम के असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।चीन यह दावा करता है कि एशिया में जापान के खिलाफ दूसरे विश्वयुद्ध का नेतृत्व उसने किया था। लेकिन ताइवान ने इससे इनकार किया है। ताइवान ने कहा कि चीन हाल के वर्षों में बार-बार तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। ताइवान ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने जापान के खिलाफ जंग नहीं लड़ी थी, जब चीन, जापानियों से लड़ रहा था तब पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का अस्तित्व ही नहीं था।चीन की सैन्य परेड में पूर्व राष्ट्रपति हू जिंताओ नजर नहीं आए। 82 वर्षीय हू जिंताओ आखिरी बार दिसंबर 2022 में पूर्व जियांग जेमिन के अंतिम संस्कार में सार्वजनिक रूप से दिखे थे। इससे करीब दो महीने पहले, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की कांग्रेस के दौरान उन्हें अचानक मंच से बाहर ले जाए जाने की घटना सुर्खियों में आई थी। परेड के आयोजन स्थल पर सुरक्षा इतनी सख्त थी कि कई सड़कें पहले से बंद कर दी गई थीं। पत्रकारों को सुबह 3 बजे से पहले ही जमा होने के लिए कहा गया और परेड शुरू होने से तीन घंटे पहले थियानमेन चौक ले जाया गया। सीएनएन के मुताबिक विक्ट्री डे परेड की गेस्ट लिस्ट में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम साफ तौर पर गायब था। मोदी सिर्फ 2 दिन पहले चीन में ही थे लेकिन वे बाकी नेताओं की तरह वहां नहीं रुके। रिपोर्ट के मुताबिक विक्ट्री डे परेड में हिस्सा न लेना मोदी की कूटनीतिक रणनीति है। परेड से दूर रहकर, मोदी एक संदेश दे रहे हैं कि चीन से उनके सामान्य रिश्ते तब तक नहीं हो सकते जब तक चीन सीमा पर आक्रमण करता रहे और साथ ही भारत के मुख्य प्रतिद्वंद्वी, पाकिस्तान को रणनीतिक रूप से सहारा देता रहे। अगर वे इस परेड में शामिल होते तो इसे चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के मौन समर्थन के रूप में देखा जाता। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान ने पिछले 5 साल में जितने हथियार खरीदे हैं, उनका 81फीसदी चीन ने दिया है। इसमें से कई हथियारों का इस्तेमाल पाकिस्तान ने मई में भारत के खिलाफ भी किया था।इसके अलावा, जापान के औपचारिक आत्मसमर्पण के बाद, द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित परेड में मोदी का शामिल होना, नई दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार, टोक्यो में नकारात्मक रूप से देखा जाएगा।चीन ने अपनी नई इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का नाम डीएफ -61 रखा है। यह बड़ी मिसाइल आठ पहियों वाले ट्रक पर रखकर ले जाई जाती है। परेड से पहले इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर दिखाई दी थीं। परेड में डीएफ-61 को और भी ताकतवर हथियारों के साथ पेश किया गया। इसमें जेएल -1 हवा से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल, JL-3 पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल और जमीन से दागी जाने वाली आईसीबीएम डीएफ-31 का नया वर्जन शामिल था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने कहा कि लंबी दूरी की मिसाइलों का यह समूह पहली बार चीन की थल, जल और वायु, तीनों जगहों से परमाणु ताकत दिखाता है। इसे चीन की संप्रभुता और गरिमा की रक्षा के लिए इसे 'तुरुप का पत्ता' बताया गया।परेड में पहली बार एडवांस हेलिकॉप्टर का भी प्रदर्शन किया गया। अभी इसकी डिटेल सामने नहीं आई है।

राहुल की बिहार यात्रा का फीडबैक लेंगे अमित शाह,आज दिल्ली में बैठक, सीट शेयरिंग,पीएम की मां को गाली, बिहार बंद पर होगी बातचीत

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर भी गठबंधन के अंदर मंथन चल रहा है। इस बीच बुधवार यानी आज गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर बिहार भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक होगी। इसमें कोर कमेटी के सदस्यों के साथ अन्य पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति, सीट बंटवारे की रूपरेखा, वोटर अधिकार यात्रा का फीडबैक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी- उनकी मां को अपमानित करने

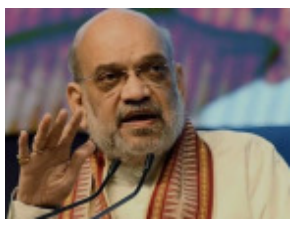

पर विपक्ष की प्रतिक्रिया जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि बैठक में बिहार से जुड़े सभी अहम विषयों पर मंथन होगा। बैठक में अमित शाह नेताओं से वोटर अधिकार यात्रा का फीडबैक लेंगे। यात्रा के दौरान जुटी भीड़ और लोगों की प्रतिक्रिया, संभावित प्रभाव, वोटरों पर असर और यात्रा से जुड़े घटनाक्रम पर नेताओं से राय लेंगे। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा वोटर लिस्ट से नाम कटने के दावे, उनके असर और सच्चाई पर भी चर्चा होगी। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

यूपी में आउटसोर्स कर्मचारियों की सैलरी 16 हजार रुपये से कम नहीं होगी सीएम योगी का बड़ा फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों और संस्थानों में आउटसोर्स कर्मचारियों को 16,000 से 20,000 रुपये मासिक मानदेय देने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा शर्तों में सुधार और ऐसी नियुक्तियों में आरक्षण बढ़ाने को भी मंजूरी दी। सरकारी विभागों और संस्थानों के लिए आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाओं का प्रबंधन उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग सेवा निगम के माध्यम से किया जाता है। उत्तर प्रदेश आउटसोर्सिंग सेवा निगम कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 8 के तहत गठित एक गैर-वित्तीय, गैर-लाभकारी सार्वजनिक कंपनी है।राज्य के वित्त मंत्री सुरेश

कुमार खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए पत्रकारों को बताया कि आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा शर्तों में सुधार के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि निगम सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाताओं का चयन करेगा। मंत्री ने कहा कि यह आरक्षण अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग , पूर्व सैनिकों, स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों, दिव्यांगजनों और महिलाओं की आउटसोर्सिंग आधारित नियुक्तियों में लागू होगा। खन्ना ने कहा, अब तक, मानदेय या वेतन के रूप में दी जाने वाली राशि सेवा प्रदाता के खाते में जमा की जाती थी, जिसके कारण कर्मचारियों को पूरा वेतन नहीं मिलने की शिकायतें आती थीं। उन्होंने कहा, सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आउटसोर्स कर्मचारियों को सम्मानजनक वेतन, बेहतर सेवा शर्तों और आरक्षण का लाभ मिले।

आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रति महीने 26 कार्य दिवसों के लिए नियुक्त किया जाएगा, उन्हें प्रत्येक महीने की एक और पांच तारीख के बीच मानदेय मिलेगा और उनकी नियुक्ति अवधि तीन साल की होगी। खन्ना ने कहा कि सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के खर्च के लिए 15,000 रुपये दिए जाएंगे।

यूपी में 24 घंटे बाद से थम सकता है भारी बारिश का सिलसिला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में झमाझम बारिश होने से मौसम सुहाना हो गया है। बीते मंगलवार को भी राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई हिस्सों में ठीक-ठाक बारिश हुई है। इस बारिश से आम जनता को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली है। हालांकि यह राहत अब ज्यादा दिनों तक नहीं मिलने वाली है। क्योंकि प्रदेश में गर्मी और उमस का सिलसिला एक बार फिर से शुरू होने जा रहा है। मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में 7 सितंबर तक भारी बारिश होने की कोई संभावना नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने से गर्मी का सितम झेलना पड़ सकता है। फिलहाल 3 सितंबर को पश्चिमी और पूर्वी यूपी में कुछ स्थानों पर बारिश गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमी यूपी में कहीं-कहीं पर भारी बारिश होने के आसार जताए गए हैं। मौसम विभाग की माने

तो बुधवार को आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन और हमीरपुर में भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही महोबा, झांसी, ललितपुर और उसके आसपास के इलाकों में भी भारी बारिश होने के आसार जताए गए हैं।मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार से बारिश की तीव्रता और वितरण में कमी आने लगेगी। लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वहीं 4 सितंबर को प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में कुछ स्थानों पर और पूर्वी यूपी में कहीं-कहीं पर भारी व गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। 5 सितंबर को प्रदेश के दोनों हिस्सों में कहीं-कहीं पर बारिश होने का आसार जताया गया है।इसी तरह 6 और 7 सितंबर को भी पश्चिमी यूपी में कहीं-कहीं पर बारिश व गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, जबकि पूर्वी यूपी में कुछ स्थानों पर ही बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस तरह प्रदेश में 7 सितंबर तक भारी बारिश होने का अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

कानपुर में राहगीर को आया हार्ट अटैक, बदहवास पत्नी मांग रही थी मदद, दारोगा ने सीपीआर देकर बचाई जान

कानपुर। मंगलवार को कानपूर में एक दंपती आने वाली आपदा से बेख़बर सवारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान महिला के पति को हार्ट अटैक आ गया। वह बेसुध होकर गिर पड़ा। पति की हालत बिगड़ती देख पत्नी बदहवास होकर मदद की गुहार लगाने लगी। कुछ ही दूरी पर खड़े मूलगंज थाने के बकरमंडी चौकी इंचार्ज रोहित तोमर की नजर पड़ी। उन्होंने मरीज को सीपीआर देकर टूटती सांसों में जान डाल दी। होश में आने के बाद मरीज को पत्नी के साथ उर्सला अस्पताल भेजा। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बकरमंडी चौकी इंचार्ज रोहित तोमर सीपीआर देने का प्रशिक्षण ले चुके हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि दारोगा बीमार शख्स के सीने में हाथ रखकर सीपीआर दे रहे हैं। वहीं शख्स की पत्नी मुंह से सांस देने का प्रयास कर रही है। एक अन्य व्यक्ति पीड़ित के साथ को सहला रहा है। जाहिर है कि उन लोगों को भी सीपीआर की जानकारी थी। महिला ने दारोगा का आभार जताया। दारोगा ने कहा कि किसी की जान बचा सके। इससे बेहतर क्या हो सकता है। रोहित तोमर का सीपीआर का देते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो वायरल होते ही लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस को समय समय पर सीपीआर देने का प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि विषम परिस्थितियों में किसी की भी जान बचाई जा सके। रोहित तोमर सीपीआर देने का प्रशिक्षण लिया था। इसका इस्तेमाल कर उन्होंने एक राहगीर की जान बचा ली।

नूरुल्ला रोड पर जूते की दुकान में लगी भीषण आग,दुकानदारों की भीड़ जुटी, फायर ब्रिगेड ने काबू पाया

प्रयागराज। मंगलवार आधी रात जूते की दुकान में भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई।

पुराने शहर के नूरुल्ला रोड स्थित हजमा शूज में रात करीब 12 बजे धुआं निकलने लगा। इससे पहले की बाजार के लोग समझ पाते दुकान से लपटें उठने लगीं। हंगामा मचा तो आसपास के लोग आग बुझाने की कोशिश करने लगे। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दुकान से फैली आग सामने खड़ी बाइकों तक पहुंच गइ। स्थानीय लोगों ने पानी डालना शुरू किया। सूचना पाकर फायर सर्विस की गाड़ी पहुंच गई। भीषण लपटों की वजह से सड़क पर जाम लग गया। आसपास के दुकानदार डर गए कि आग फैली तो उनकी दुकान चपेट में आएगी। मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से करीब 7 लाख का नुकसान बताया जा रहा है।

पानी-सीवर बिल पर 30 सितंबर तक 100 फीसदी ब्याज माफ, चालू बिल पर 10 फीसदी छूट

प्रयागराज। नगर निगम और जलकल विभाग ने उपभोक्ताओं

को राहत दी है। पानी और सीवर का बकाया बिल 30 सितंबर तक जमा करने पर उपभोक्ताओं को 100 फीसदी ब्याज माफी का लाभ मिलेगा। वहीं चालू वित्तीय वर्ष का बिल जमा करने पर 10 फीसदी छूट की अवधि भी 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है।महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने इसका आदेश जारी किया है। जलकल महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के पास अवैध कनेक्शन हैं, वे भी 30 सितंबर तक निर्धारित शुल्क जमा कर अपना कनेक्शन वैध करा सकते हैं। इसके साथ ही नगर निगम ने गृहकर पर भी 10 फीसदी छूट की अवधि 30 सितंबर तक दूसरी बार बढ़ा दी है।30 सितंबर तक बिल जमा करने वालों को ब्याज पूरी तरह माफ मिलेगा। चालू वित्तीय वर्ष का बिल भरने पर 10 फीसदी की सीधी छूट मिलेगी। अवैध कनेक्शन वाले लोग शुल्क देकर अपना कनेक्शन वैध करा सकते हैं। गृहकर भुगतान करने वालों को भी 30 सितंबर तक 10फीसदी की छूट का लाभ मिलेगा।

सोरांव में पति को ईंट डंडे से मार डाला,पत्नी ने अधमरा कर पति को उसके घर भिजवा दिया, इलाज के दौरान हुई मौत

प्रयागराज। सोरांव थाना स्थित निकदिलपुर के रहने वाले जगदीश प्रसाद का रविवार को अपनी पत्नी सीमा

से विवाद हुआ जिसमें पत्नी ने जगदीश को इतना मारा की इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घर वालों ने बताया की पत्नी ने अपनी बहन और भतीजे के साथ मिलकर ईंट,पत्थर और डंडे से मार के अधमरा कर दिया। अधमरा हालत में सीमा ने अपने पति को दो अज्ञात लड़कों द्वारा उसके घर निकदिलपुर छोड़ दिया गया। इलाज के दौरान मौत हो गयी। घर वालों के अनुसार जगदीश ससुराल बीरापुर कमलानगर में रहता था। रविवार मजदूरी करके वह अपने ससुराल आया जिसके बाद पत्नी से विवाद होने पर पत्नी ने पिटाई की जिसके बाद सोमवार को इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी।घर वालों ने बताया की जगदीश अपने ससुराल जो थाना सोरांव स्थित बीरापुर,कमला नगर में रहता था। जहां से वह मजदूरी करने शहर जाता था।

रविवार को भी वह मजदूरी करके शाम को अपने ससुराल गया जहां देर रात उसकी अपनी पत्नी से विवाद हो गया जिसके बाद उसकी पत्नी अपनी बहन और भतीज के साथ मिलकर उसको ईंट,पत्थर डंडे से पीट पीट कर लहूलुहान कर दिया जिससे उसकी हालत बिगड़ गयी।जगदीश के घर वालों ने बताया की रात 9 बजे पिटाई करके जब उसकी हालत खराब हो गयी जिसके बाद रात 10 बजे पत्नी ने दो अज्ञात लड़कों द्वारा जगदीश के घर भिजवा दी घर में जगदीश की माँ अकेले घर पे थी जिसके बाद उसकी इलाज के दौरान सुबह मौत हो गई। जगदीश अपना परिवार लेकर ससुराल ही रहता था उसकी तीन बेटी एक बेटा है जो ससुराल में ही रहते हैं।

प्रयागराज वृद्धाश्रम को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 20 पंखों का दान, वरिष्ठ नागरिकों ने जताया आभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शाखा नैनी के मुख्य प्रबंधक श्री ओम के असाधारण सेवा भाव और समाज के प्रति समर्पण का सुंदर उदाहरण देखने को मिला, जब उन्होंने आधारशिला वृद्धाश्रम, चक दोंदी, नैनी स्टेशन रोड, प्रयागराज को 20 पंखे दान स्वरूप भेंट किए। यह दान कार्यक्रम बुधवार को प्रातः 11:00 बजे आयोजित किया गया, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री शिव शरण शुक्ल ने अपने कर-कमलों से पंखों का वितरण किया। इस अवसर पर बैंक के अन्य अधिकारीगण, वृद्धाश्रम का प्रबंधन एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम प्रबंधन तथा वहाँ निवासरत 135 वरिष्ठ नागरिकों ने श्री ओम के इस मानवीय कार्य के प्रति आभार प्रकट करते हुए उनके सेवा भाव, समाजसेवी दृष्टिकोण और प्रेरक नेतृत्व की

सराहना की। यह पहल न केवल वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सुखद, आरामदायक एवं सम्मानजनक बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है, बल्कि समाज में सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करती है।

उद्योग व्यापार मंडल रायबरेली का 32 वां स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह आयोजित।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा सरकार द्वारा व्यापारियों के हित में एक दिन व्यापारी दिवस भामाशाह दिवस के रूप में स्वीकृत कराया गया। यह व्यापारी एकता की एक बड़ी उपलब्धि है। लगभग सभी वक्ताओं ने स्वदेशी अपनाने पर बल दिया । स्थापना दिवस के अवसर पर जनपद के सामाजिक कार्यों में प्रतिभाग करने वाले डॉक्टर,पत्रकारों और समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा,नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, व्यापार कर अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय पूर्व विधायक अशोक सिंह, व्यापारी नेता महेंद्र अग्रवाल, संदीप जैन, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष चंद्र प्रकाश गुप्ता ने किया।

उद्योग व्यापार मंडल रायबरेली द्वारा संगठन का 32वां स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह स्थानीय गणेश होटल में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अमृता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रही। उन्होंने संगठन के उत्तरोत्तर विकास एवं व्यापारियों के हित में सदैव कार्यरत रहने की शुभकामनाएं दी। जिला अध्यक्ष प्रभाकर गुप्ता द्वारा संगठन के प्रचार प्रसार एवं कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि संगठन दिन प्रतिदिन प्रगति कर रहा है। उन्होंने बताया कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संदीप बंसल द्वारा प्रदेश

जिलाधिकारी के निर्देश पर अस्पतालों का निरिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 02 सितम्बर को जिलाधिकारी महोदय से प्राप्त निर्देश के क्रम में अधोहस्ताक्षरी की टीम द्वारा स्वाती हास्पिटल, ममफोर्डगंज का निरीक्षण किया गया। उक्त हास्पिटल में 2 दिन पहले ही एक 05 वर्षीय बच्चे की इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी थी । जिसपर परिजनो द्वारा इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया गया था । टीम द्वारा जब स्वाती हास्पिटल का निरीक्षण किया गया तो उनके पैनल में कोई बाल रोग विशेषज्ञ न होने के कारण उक्त हास्पिटल को सील कर दिया गया । टीम द्वारा हरखपुर महरौडा स्थित अपना हास्पिटल का निरीक्षण किया गया । उक्त हास्पिटल बिना पंजीकृत संचालित होने के कारण सील कर दिया गया.श्री जगदीश प्रसाद सोनी की शिकायत पर टीम द्वारा गौरीगंज बाजार (निकट कल्यानपुर सोरांव) स्थित विवेक मेडिकल क्लीनिक का स्थलीय निरीक्षण किया गया । संचालक को टीम का पता लगाने पर क्लीनिक छोड लापता हो गया । जिसपर उक्त विवेक मेडिकल क्लीनिक को सील कर दिया गया । श्री विकास पटेल की शिकायत पर न्यू प्रीती हास्पिटल ददौली, लकमंडी, मऊआइमा का निरीक्षण किया गया । अनाधिकृत रूप से हास्पिटल के अन्दर संचालित पैथालॉजी सील किया गया । बिना नवीनीकरण के न्यू प्रीती हास्पिटल के संचालन पर ओ0टी0, ओ0पी0डी0 चैम्बर सील करते हुए हास्पिटल का पंजीकरण निलम्बित कर दिया गया ।

चोरी की वारदात का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार,चोरी के जेवर और 2,480 रुपये नकद किए बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मेजा थाना पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के पीली और सफेद धातु के जेवर तथा 2,480 रुपये नकद बरामद करते हुए कानूनी कार्रवाई करि।

एडीएम ने कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा, वसूली में तेजी लाने के निर्देश

स्टाम्प,व्यापार, परिवहन की प्रगति ठीक ना होने पर सुधार लाने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह व अपर जिलाधिकारी (प्र) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली संबंधी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विद्युत, बाट माप, परिवहन, आबकारी, वाणिज्य, नगर निकाय, सिंचाई, वन, व्यापार कर, खनन, मण्डी, स्टाम्प सहित विभिन्न विभागों की वसूली प्रगति की समीक्षा की गई।एडीएम (वित्त) ने कम प्रगति वाले विभागों व्यापार कर,स्टाम्प,परिवहन आदि को राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग अपने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करें और समयबद्ध कार्यवाही पर विशेष ध्यान दें। बैठक में एडीएम ने कहा कि राजस्व वसूली लक्ष्य के सापेक्ष कराना सुनिश्चित करें। अतः अधिकारीगण लक्ष्य प्राप्ति के लिए

ठोस कदम उठाएं और विभागीय समन्वय को मजबूत करें।बैठक में उन्होंने ने कहा कि आईजीआरएस में आ रही शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराए। शिकायतों का निस्तारण सतही स्तर पर ना किया जाए। शिकायतकर्ताओं का फिडबैक भी लिया जाए। साथ ही हर तहसील दिवस पर भी विभागीय अधिकारी कैम्प लगाकर शिकायतों का निस्तारण करें।बैठक में उप निदेशक कृषि विनोद कुमार,उप जिलाधिकारी (न्यायिक) अहमद फरीद खान,उप जिलाधिकारी (न्यायिक) सचिन यादव ,तहसीलों के उप जिलाधिकारी,तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निवर्तमान सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी ने किया गणेश उत्सव पंडालों के दर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। निवर्तमान सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी ने आयोजित गणेश उत्सव महोत्सव में मलाकराज तथा बाई का बाग के पंडालों में शामिल होकर दर्शन कर वहां पर मौजूद श्रद्धालुओं को गणेश उत्सव की बधाई दी। इस दौरान पूर्व विधायक कलेक्टर पाण्डेय ,पार्षद आकाश सोनकर, महानगर उपाध्यक्ष प्रमोद मोदी,कविश जायसवाल, सनी सोनकर, आलोक शुक्ला,रिंकू जायसवाल, विजय श्रीवास्तव, विजय पुरस्वानी, राजेश त्रिपाठी, स्वप्निल द्विवेदी आदि लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी निवर्तमान सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी के मीडिया प्रभारी मनु कक्कड़ ने दी।

उर्वरकों के उपलब्धता एवं वितरण संबंधित समस्याओं/शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापितःडीएम, दूरभाष पर आने वाली समस्या का त्वरित कराए निस्तारण : हर्षिता माथुर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि जनपद के कृषकों को आवश्यकतानुसार उर्वरकों की समय से निर्धारित दर पर उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा उर्वरकों के उपलब्धता एवं वितरण के सम्बन्ध में आ रही समस्याओं/शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु कलेक्ट्रेट परिसर में कन्ट्रोल रूम नम्बर 0535-2204086 स्थापित है जिसके प्रभारी सचिन यादव, डिप्टी कलेक्टर रायबरेली को नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा है कि कन्ट्रोल रूम के नम्बर पर किसान उर्वरक के सम्बन्ध में अपनी समस्या/शिकायत तक दर्ज करा सकते है। कन्ट्रोल रूम प्रत्येक कार्य दिवस में दो पालियों में सुबह 08:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में अपराह्न 02:00 बजे से शाम 08:00 बजे तक कार्य करेगा। जिसमे कृषि विभाग एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहकर दूरभाष पर आने वाली समस्या एवं शिकायते सुनेंगे तथा पंजिका में दर्ज करते हुए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को अवगत करते हुए त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करायेंगे। स्थापित किए गए कंट्रोल रूम में प्रथम पाली (प्रातः 08:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक) के लिए नामित अधिकारी/कर्मचारी वीरेंद्र कुमार सारस्वत, प्राविधिक सहायक ग्रुप-बी/सहायक विकास अधिकारी (कृषि) डलमऊ मो0नं0- 9415070769 एवं श्याम प्रकाश, अपर जिला सहकारी अधिकारी/तहसील प्रभारी सदर मो0नं0- 9026353036 को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार द्वितीय पाली (अपराह्न 02:00 बजे से सायं 0800 बजे तक) के लिए नामित अधिकारी/कर्मचारी धीरज यादव प्राविधिक सहायक ग्रुप-बी/सहायक विकास अधिकारी (कृषि) डीह मो0नं0-8299007928 एवं राजन सिंह, सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) अमावां मो0नं0-9140391955 को नियुक्त किया गया है।

मशहूर एंकर नेहा शर्मा 28 को संगमनगरी में होने वाले भव्य डांडिया नाइट की करेंगी मेज़बानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। देश की मशहूर एंकर नेहा शर्मा आगामी 28 सितंबर को प्रयागराज में आयोजित होने वाले भव्य डांडिया नाइट कार्यक्रम की मेज़बानी करेंगी।

नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में शहरवासी गरबा और डांडिया की धुनों पर झूमते नजर आएंगे। कार्यक्रम का आयोजन शहर के प्रमुख स्थल पर किया जा रहा है, जहाँ रंग-बिरंगे परिधानों में सजे-धजे लोग पारंपरिक गुजराती संगीत की धुनों पर थिरकेंगे। नेहा शर्मा के आकर्षक मंच संचालन और ऊर्जावान शैली से कार्यक्रम में चार चाँद लगने की उम्मीद है। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ विशेष डीजे नाइट और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी देखने को मिलेंगी।

आयोजकों के अनुसार, यह आयोजन पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक मनोरंजन का अद्भुत संगम होगा। डांडिया प्रेमियों के लिए यह शाम यादगार बनने वाली है। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे पारंपरिक परिधानों में इस आयोजन में शामिल हों और नवरात्रि के उल्लास को और भी रंगीन बनाएं।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में ओरिएंटेशन का तीसरा दिन संपन्न, पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। 3 सितम्बर बुधवार को नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में चल रहे ओरिएंटेशन कार्यक्रम का तीसरा दिन आज सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर संस्थान के पूर्व छात्रों (Alumni) को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने नए प्रशिक्षुओं के साथ अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने नए छात्रों को संस्थान की कार्यप्रणाली, नियमों और औद्योगिक प्रशिक्षण के महत्व के बारे में अवगत कराया। इसके बाद मंच पर आए विभिन्न ट्रेडों के पूर्व छात्र, जिन्होंने आज विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में कार्यरत हैं,

उन्होंने अपने संघर्षों, सीखने की प्रक्रिया और संस्थान की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। पूर्व छात्र राहुल मिश्रा (कोपा ट्रेड, बैच 2018) ने कहा, 'यह संस्थान मेरे जीवन की नींव रहा है। यहाँ सीखी गई तकनीकी और व्यवहारिक शिक्षा ने मुझे आत्मनिर्भर बनाया।' वहीं पूजा शर्मा (फिटर ट्रेड, बैच 2019) ने विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास और अनुशासन को अपनी आदत में शामिल करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में नए छात्रों ने भी पूर्व छात्रों से प्रश्न पूछे और प्रेरणा प्राप्त की। संस्थान के स्टाफ व अध्यापकों ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक सत्र आयोजित करने की बात कही। इस तरह तीसरे दिन का ओरिएंटेशन सत्र न केवल जानकारीवर्धक रहा, बल्कि छात्रों को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाला भी सिद्ध हुआ।

प्रयागराज रिजर्व पुलिस लाइन में बहुरूपी क्रीड़ा का हुआ समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज के रिजर्व पुलिस लाइन, प्रयागराज खेल ग्राउण्ड में दिनांक 29.08.2025 से 02.09.2025 तक चल रही द्वितीय उ0प्र0 पुलिस वार्षिक कबड्डी कलस्टर (कबड्डी, फेंसिंग, खो-खो एवं जिम्नास्टिक) प्रतियोगिता-2025 का समापन दिनांक 02.09.2025 को मुख्य अतिथि श्री जोगेन्द्र कुमार, पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज के द्वारा किया गया। आज दिनांक 02.09.2025 को कबड्डी पुरूष वर्ग का फाइनल मैच मेरठ जोन व पीएसी पश्चिमी जोन के मध्य खेला गया, जिसमें मेरठ जोन ने पीएसी पश्चिमी जोन की टीम को 37-19 से पराजित कर चलबैजंती प्राप्त की। प्रतियोगिता में विजेता तथा उपविजेता खिलाडियों को आयोजन सचिव श्री एन0 कोलान्ची, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय, कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा मैडल प्रदान किये गये। इसी क्रम में कबड्डी महिला वर्ग में मेरठ जोन ने प्रथम एवं प्रयागराज जोन की टीम ने उच्चकोटि का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। उक्त प्रतियोगिता के समापन अवसर पर श्री अभिषेक भारती, पुलिस उपायुक्त नगर, श्री कुलदीप सिंह गुनावत, पुलिस उपायुक्त गंगा नगर, श्री विवेक यादव पुलिस उपायुक्त यमुना नगर, श्री नीरज पाण्डेय पुलिस उपायुक्त लाइन्स, श्री राजकुमार मीना, सहायक पुलिस आयुक्त लाइन्स, सुश्री कृतिका शुक्ला, सहायक पुलिस आयुक्त, श्री विनोद कुमार सिंह, आर0आई0 प्रथम, श्री प्रवीण कुमार सिंह, आर0आई0 द्वितीय कमिश्नरेट प्रयागराज तथा मीडिया बन्धु एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण प्रतियोगिता के दौरान मौजूद रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रारम्भिक पात्रता परीक्षा (PET) को सकुशल, नकलविहीन व सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत तैयारियों की समीक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 06 एवं 07 सितम्बर को आयोजित होने वाली प्रारम्भिक पात्रता परीक्षा (PET) को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सकुशल, नकलविहीन व सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत तैयारियों की समीक्षा व प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी व संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की सुचिता में किसी भी प्रकार का व्यवधान डालने वालो के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई की जायेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि यदि कहीं भी परीक्षा की शुचिता पर प्रभाव डालने से सम्बंधित किसी भी प्रकार की शिकायत पायी गयी तो ऐसे लोगो को विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा है कि परीक्षा सम्पन्न कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार एवं कटिबद्ध है। परीक्षा की शुचिता पर प्रभाव डालने का प्रयास करने वालो के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

परीक्षा केन्द्रों पर सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स मोबाइल, लैपटॉप, कैलकुलेटर आदि पूरी तरह से प्रतिबंधित : डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। पीईटी परीक्षा-2025 सकुशल संपन्न कराने के लिए डीएम हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह की अध्यक्षता में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2025 जनपद के 23 परीक्षा केन्द्रों पर 06 व 07 सितम्बर (शनिवार व रविवार) को दो पालीयों में करायी जायेगी। प्रथम पाली पूर्वाह्न 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित की जायेगी। जिसमें चार पाली में परीक्षार्थियों की कुल संख्या 39552 है। परीक्षा को कुशलता एवं शुचिता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु परीक्षा केन्द्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक तथा स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात होगें। उन्होंने ने कहा कि परीक्षा के दिन किसी भी परीक्षार्थी तथा केन्द्र के टीचर आदि को किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रानिक्स गैजेटस मोबाईल, लेपटाप, कैलकुलेटर, इलेक्ट्रानिक घड़ी आदि पूरी तरह से प्रतिबन्धित किया गया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर साफ सफाई, पानी, बिजली, शौचालय आदि की व्यवस्था पहले से दुरूस्त कर ली जाए। सम्बन्धित कर्मचारी परीक्षा केंद्र पर समय से पूर्व पहुंचकर परीक्षा की समाप्ति तक अनिवार्यता उपस्थित रह कर दिये गये निर्देशों का पालन करायेंगे। उन्होंने कहा कि आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप निर्विघ्न, नकलविहीन व शांतिपूर्ण परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने की सभी तैयारियां प्रधानाचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक ,पर्यवेक्षक, समन्वयी पर्यवेक्षक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट , सहायक पर्यवेक्षक, निरीक्षण पर्यवेक्षक, परीक्षा सहायक आदि पूरी कर लें तथा दिये गये दिशा निर्देशों व आदेशों को भली-भांति पढ़ लें। किसी भी प्रकार की यदि कोई कमी हो तो उसको समय रहते दुरूस्त करा लें। डीएम ने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बरते जाने पर संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि परीक्षा के दौरान पर्याप्त पुलिस बल लगाए जाएं। परीक्षा में किसी प्रकार का व्यवधान ना हो इसके लिए ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन करवाया जाए। बैठक में एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव सिंह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वें शहीदी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

रायबरेली। सोमवार को सिक्ख धर्म के नौवें गुरु और हिन्द की चादर कहे जाने वाले गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी दिवस पर पूरे विश्व में श्रद्धा और भक्ति के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब धोबड़ी साहिब (आसाम) से शुरू हुई यह ऐतिहासिक यात्रा देश के कई नगरों से होती हुई आज रायबरेली पहुंची। यहां सिख समुदाय के लोगों ने यात्रा का श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने गुरु के शौर्य, त्याग और बलिदान को याद करते हुए कीर्तन और अरदास की। यात्रा रायबरेली से प्रयागराज और अन्य प्रमुख पड़ावों की ओर बढ़ेगी तथा इसका समापन तख्त श्री केशगढ़ साहिब, आनंदपुर साहिब (रोपड़, पंजाब) में होगा।

नीले ड्रम वाली मुस्कान मेरठ जेल में बंद, बोली-श्रीकृष्ण जैसा बेटा चाहती हूं,साढ़े 6 महीने का गर्भ,बच्चे का पिता कौन, सौरभ या साहिल

मेरठ। श्रीकृष्ण का जन्म जेल में हुआ था। मैं भी सजा काट रही हूं। एक बच्चा मेरी कोख में पल रहा है। अब मैं श्रीकृष्ण जैसा बेटा चाहती हूं।' महिला बंदियों से ऐसी इच्छा पति सौरभ की हत्या में बंद मुस्कान रस्तोगी ने जताई है। कोर्ट में पेशी के दौरान ये बातें सामने आईं कि मुस्कान ने कृष्ण जन्माष्टमी पर व्रत रखा था। वो जेल में प्रेग्नेंट महिलाओं की बैरक में बंद है। मुस्कान का यह स्टेटमेंट आने के बाद एक बार फिर चर्चा शुरू हो चुकी है कि आखिर उसके बच्चे का पिता कौन है? दरअसल, मुस्कान का 27 अगस्त को अल्ट्रासाउंड कराया गया था। डॉक्टर के मुताबिक, वह करीब 26 सप्ताह पहले प्रेग्नेंट हुई थी। देखा जाए तो यह वही टाइम है, जब सौरभ लंदन से मेरठ आया था, यानी 22 फरवरी के आस-पास का। दूसरी तरफ, मुस्कान अपने बॉयफ्रेंड साहिल के साथ भी लगातार संपर्क में थी। उससे संबंध भी बना रही थी। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि ये बच्चा उसके पति सौरभ का है या फिर जेल में उसके साथ सजा काट रहे बॉयफ्रेंड साहिल का। वहीं, सौरभ का परिवार पहले ही कह चुका है कि पुलिस को कानूनी प्रक्रिया से बच्चे का डीएनए टेस्ट कराना चाहिए। जिससे साफ हो सके कि बच्चे का असली पिता कौन है? अगर यह बच्चा सौरभ का होगा, सही है। कोई हेल्थ इश्यू नहीं है।' इस रिपोर्ट के मुताबिक, मुस्कान 26 सप्ताह पहले प्रेग्नेंट निकली है। डॉक्टर्स के मुताबिक, प्रेग्नेंसी की डेट में 7 से 8 दिन का फर्क आ सकता है। अब 2 सवाल उठते हैं।

तो उसकी परवरिश परिवार करेगा। दूसरी तरफ, कोर्ट में सौरभ हत्याकांड की का ट्रायल शुरू हो चुका है। गवाहों के बयान हो रहे हैं। पुलिस ने मुस्कान और साहिल के खिलाफ मजबूत केस तैयार किया है।पीएल शर्मा जिला अस्पताल में मुस्कान का अल्ट्रासाउंड हुआ था।-'मुस्कान और उसका बेबी, दोनों स्वस्थ्य हैं। बच्चा सही से डेवलप हो रहा है। खून का स्तर पहला- क्या ये बच्चा सौरभ का है? दूसरा- बच्चा कहीं साहिल का तो नहीं? आशंका- 1. सौरभ पिता हो सकता है-मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर के मुताबिक, प्रेग्नेंसी 26 सप्ताह पहले की है। सौरभ 22 फरवरी को मेरठ आया था। उसने पहले बेटी पीहू का बर्थडे सेलिब्रेट किया। फिर पत्नी मुस्कान का बर्थडे मनाया था। 22 फरवरी से 3 मार्च तक मुस्कान और सौरभ एक-दूसरे के साथ थे। प्रेग्नेंसी पीरियड को देखें, तो इस बच्चे का पिता सौरभ हो सकता है। क्योंकि, सौरभ के मेरठ आने के बाद मुस्कान उस दौरान साहिल से कम ही मिली होगी।आशंका- 2. साहिल पिता हो सकता है. जब सौरभ को मुस्कान के बॉयफ्रेंड साहिल और अवैध संबंधों का पता चला, तब दोनों में अक्सर झगड़ा होने लगा था। सौरभ-मुस्कान के बीच अच्छे संबंध नहीं होने से यह बच्चा साहिल का भी हो सकता है। क्योंकि, साहिल और मुस्कान 3 मार्च को सौरभ की हत्या करने के बाद 17 मार्च तक एक-दूसरे के साथ थे।दोनों ने 4 मार्च को मेरठ से शिमला जाने के बाद वहां शादी की थी, फिर हनीमून मनाया था। दोनों 15 दिन के टूर में 24 घंटे एक-दूसरे के साथ थे। दोनों के बीच पहले से भी संबंध थे।सौरभ हत्याकांड में 4 जुलाई से कोर्ट में ट्रायल शुरू हुआ था। सुनवाई लगातार हो रही है। गवाहों के बयान हो रहे हैं। पूरे केस में अब तक 24 सुनवाई हो चुकी हैं। सौरभ के बड़े भाई राहुल के बयान सबसे पहले हुए। लगातार 10 तारीखों पर राहुल से सवाल-जवाब किए गए।इसके बाद मां रेणू देवी को कोर्ट में बुलाया गया। अब अन्य गवाहों के कोर्ट में बयान कराए जा रहे हैं।मुस्कान और साहिल ने जेल में रहते हुए अपने लिए सरकारी वकील की मांग की थी। उनको सरकार की तरफ से सीनियर लॉयर रेखा जैन मिली हैं। वही उनका केस लड़ रही हैं। वहीं, सौरभ के परिवार ने सीनियर एडवोकेट विजय बहादुर सिंह को अप्वाइंट किया है। सरकार की ओर से डीजीसी केके चौबे इस केस को लगातार हैंडल कर रहे हैं। अब तक 6 गवाहों के बयान पूरे-इस केस में अब तक 6 गवाहों के बयान पूरे हो चुके हैं। 7वां गवाह सीमेंट विक्रेता आशु उर्फ अक्षय के भी बयान हो चुके हैं।

आईएमएस नोएडा में इंटर-डिपार्टमेंट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में इंटर- डिपार्टमेंट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने हिस्सा लिया। बुधवार को खेले गए पहले दिन के मुकाबले 8-8 ओवर के तीन मैच आयोजित किए गए। हालांकि तेज बारिश के कारण मैच को बीच में ही स्थगित करना पड़ा, शेष मुकाबले गुरुवार को खेले जाएंगे। आईएमएस की स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर रीना मैसी ने बताया कि टूर्नामेंट में छात्रों की 8 एवं छात्राओं की 2 टीमों ने हिस्सा लिया। बुधवार को खेले गए रोमांचक मुकाबलों में पहला मैच बीबीए-ए और बीसीए-बी टीम के बीच हुआ, जिसमें बीबीए-ए टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी

करते हुए शानदार खेल दिखाया और 16 रनों से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में बीबीए-बी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लॉ-ए टीम को 30 रनों से पराजित किया। वहीं तीसरे मैच में बीबीए-सी और लॉ-बी टीम के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। दोनों टीमों ने समान रन बनाकर मैच टाई किया। इसके बाद खेले गए सुपर ओवर में बीबीए-सी टीम ने 6 रनों की बढ़त बनाते हुए जीत अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट की शुरुआत करते हुए आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं, यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं बल्कि टीमवर्क, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करते हैं। हमें आशा है कि यह टूर्नामेंट छात्रों को प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ मित्रता और खेल भावना का महत्व सिखाएंगे।

बीजेपी नेता हत्या मामला- प्रयागराज में हत्या की परत दर परत खुलती जा रही दास्तान,दोस्त की बीवी के खर्च उठाता था नेता,प्रयागराज में हर महीने मोटी रकम देता; अवैध संबंधों का पता चलने पर हुई हत्या

प्रयागराज। बीजेपी नेता रणधीर सिंह यादव की हत्या के बाद लव अफेयर के नए फैक्ट सामने आए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि रणधीर सिंह यादव का लव अफेयर उसकी हत्या के मुख्य आरोपी डॉ. उदय की पत्नी अंजली से था।रणधीर अपने बैंक अकाउंट से हर महीने एक फिक्स रकम अंजली को ट्रांसफर करता था। पुलिस मान रही है कि अंजली इस रकम को अपनी जरूरतों पर खर्च करती होगी। पुलिस ने डॉ. उदय, उसकी पत्नी अंजली और दोस्त रणधीर के सर्किल में आने वाले सभी लोगों से पूछताछ पूरी कर चुकी है। इसमें सामने आया है कि 8 साल पहले रणधीर और उदय दोस्त बने थे। वहीं, 3 साल पहले उदय की पत्नी अंजली का झुकाव रणधीर की तरफ हो गया था। रणधीर का कत्ल करने वाले डॉ. उदय की तलाश में पुलिस की टीमें यूपी में सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। वहीं, उदय अपने साथ रणधीर का मोबाइल भी साथ लेकर गया है, जो 10 दिन से स्विच ऑफ है।डॉ. उदय यादव एक प्राइवेट हॉस्पिटल में कंपाउंडर था। उसके चचेरे भाई विजय की सिविल लाइन में मिठाई की दुकान थी। कुल मिलाकर कमाई लिमिटेड थी। जबकि, उसकी पत्नी अंजली लग्जरी लाइफ की शौकीन थी। महंगे कपड़े, मोबाइल और हिल स्टेशन पर घूमने की ख्वाहिश रखती थी। 3 साल पहले उसकी लाइफ में रणधीर की एंट्री हुई। एक दिन उदय अपने साथ रणधीर को घर लेकर गया था। उस दिन पहली बार अंजली ने रणधीर का देखा। धीरे-धीरे उसको रणधीर की लाइफस्टाइल के बारे में पता चला। रणधीर यादव जिला पंचायत सदस्य रह चुका था। उसकी पत्नी मौजूदा जिला पंचायत सदस्य हैं। रणधीर स्कॉर्पियो से चलता था। नेताजी वाले शौक थे। दो और कारें घर पर खड़ी रहती थीं। अंजली ऐसी ही लाइफ चाहती थी। वहीं, उदय एक मिडिल क्लास जिंदगी की जरूरतों को पूरा करने में लगा रहता था। यही वजह है, रणधीर और अंजली धीरे-धीरे करीब आ गए। संबंध बन गए, तो रणधीर उसके खर्च उठाने लगा। उसकी जरूरतें पूरी करता था। उधर, उदय दोस्ती के चक्कर में अपनी शादीशुदा जिंदगी में आए भूचाल से अनजान था। रणधीर जरूरत पड़ने पर उदय को भी रुपए दे देता था। रणधीर के बैंक ट्रांजैक्शन तलाशने के बाद पुलिस को ऐसे फैक्ट मिले हैं।अब सवाल उठता है कि उदय को शक कब हुआ? इसके जवाब पुलिस कस्टडी में रवि पासी और राम सिंह ने दिए हैं। उनका कहना है कि उदय ने अपनी पत्नी अंजली का रणधीर के लिए लगाव भांप लिया था। उदय ने ही हिल स्टेशन जाने की प्लानिंग की। उसने रणधीर के दिल का हाल जानने के लिए उससे जिक्र किया

कि कहीं घूमने चलते हैं? उसने कहा कि ऐसा अंजली बोल रही थी, आप भी साथ चलो। रणधीर तो मन ही मन खुश हो रहा था। उसने कहा कि मेरी पत्नी बबली तो अपने मायके जा रही है। उसकी मां बीमार है। मैं ही चलता हूं। रणधीर ने अपनी कार से बाईरोड नैनीताल जाने का प्लान बनाया। 20 जून को सभी नैनीताल पहुंचे। 1 जुलाई को वो लोग वापस आए। इस ट्रिप पर रणधीर ने 1.75 लाख रुपए खर्च किए। 11 दिन की नैनीताल ट्रिप के दौरान 10 साल की उदय और रणधीर की दोस्ती सबसे बड़े दुश्मन के रूप में बदल गई। वहां उदय को सबूत दिख गए कि उसकी पत्नी अंजली के रणधीर के साथ गहरे संबंध हैं। उसने अपने मोबाइल में अंजली की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी बनाए। राम सिंह ने पुलिस को बताया कि उसने अंजली और रणधीर को संबंध बनाते हुए भी देख लिया था। हालांकि, उसने कुछ भी रणधीर पर जाहिर नहीं होने दिया।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि 2 जुलाई को उदय और उसकी पत्नी अंजली के बीच तकरार और मारपीट की नौबत आ गई। उदय का सब्र जवाब दे गया और उसने अवैध संबंध की बात सामने रख दी। इसके बाद उदय पत्नी अंजली को प्रताड़ित करने लगा। कॉल डिटेल से ये साबित हुआ कि विवाद के बाद अंजली ने रणधीर को फोन पर पूरा मामला बताया था। अब उदय और रणधीर के बीच खुलकर दुश्मनी हो गई थी। दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए थे। लेकिन, उनके बीच की कड़ी राम सिंह था, जो दोनों का दोस्त था।हालांकि, दोस्त की पत्नी से अवैध संबंध और उसकी तड़प देखकर राम सिंह उदय के साथ आ गया था। इसके बाद हत्या की प्लानिंग में भी शामिल हो गया। 11 जुलाई को मौत, तेरहवीं तक उदय ने किसी से बात नहीं की 1 जुलाई को नैनीताल से लौटने के बाद अवैध संबंध का बवाल मचा। 11 जुलाई को अंजली की संदिग्ध मौत कई सवाल खड़े कर गई। अब हत्याकांड के बाद कहा जा रहा है कि उदय ने पत्नी को मार दिया था। पुलिस नए सिरे से जांच कर रही है। हालांकि उदय ने अंतिम संस्कार से लेकर तेरहवीं तक सब कुछ बहुत विधि-विधान से किया था। अब उसके जानने वाले कहते हैं कि इस दौरान वह बहुत खामोश रहता था। किसी से बात नहीं करता था। रिश्तेदारों और दोस्तों ने पुलिस को बताया कि वह हर वक्त चुप रहता था। अब ऐसा माना जा रहा है कि वह अंदर ही अंदर सिर्फ बदले को अंजाम देने की प्लानिंग करता रहता था।उदय ने बीजेपी नेता की हत्या की प्लानिंग 3 लेवल पर की थी। पहली- रणधीर को मारने के बाद लाश को रेलवे ट्रैक तक ले जाने की प्लानिंग थी। दूसरी- 50 हजार रुपए का ठेका 2 लड़कों को इस बात का दिया था कि वह रणधीर का सिर कूच देंगे और लाश को रेलवे ट्रैक पर रख की धज्जियां उड़ा देंगे। एक ट्रेन गुजरने के बाद दूसरी ट्रेन आने तक इंतजार करेंगे। तीसरा- साथियों के साथ उदय की कार से चित्रकूट पहुंचकर उसको जला देगा। प्लानिंग में बदलाव तब हुआ, जब उदय ने रणधीर का मोबाइल लेकर उसे देखा। इसके बाद उसने खूब शराब पी। नशे में वह लाश छोड़कर हटा ही नहीं। रुपए देने के बावजूद उसने रेलवे ट्रैक के बाद रणधीर का सिर कुचवाया। तब वह वहीं मौजूद रहा। लाश को रेलवे ट्रैक पर रखवाने के बाद भी नहीं गया। ट्रेन आई और चली गई, लेकिन गुस्से में रणधीर मौजूद रहा। फिर लाश रखवाई, इसके बाद वहां से गया। लाश कूचने वाले रवि पासी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी उम्र करीब 24 साल है। वह धूमनगंज के मोहल्ला नींवा का रहने वाला है। पुलिस अभी भी उसके 2 साथियों की तलाश कर रही है।22 अगस्त की रात 8.30 बजे के बाद बीजेपी नेता रणधीर यादव राम सिंह के साथ था। इसका सीसीटीवी सामने आ चुका है। इसमें रणधीर अपनी स्कॉर्पियो में राम सिंह के साथ बैठा दिखा है। पुलिस और परिवार के मुताबिक, यह रणधीर यादव को मौत के घाट उतारे जाने से पहले का फुटेज हैं। इसमें आखिरी बार रणधीर जिंदा दिखा है।यह वीडियो 22 अगस्त की रात 8.55 से 9.02 बजे के बीच का है। इसमें राम सिंह ड्राइवर सीट के बगल में बैठा था। जबकि ड्राइवर सीट पर बैठा शख्स गाड़ी में लगी काली फिल्म के चलते साफ नहीं देखा जा सका। फिर भी परिवार ने दावा किया कि गाड़ी की ड्राइवर सीट कर रणधीर बैठा था। इस दौरान गाड़ी का शीशा 2 बार राम सिंह की तरफ से खुला। उसने कुछ सामान मंगवाने के लिए होटल से बुलाए गए युवक को रुपए दिए। बताया जा रहा है, गाड़ी इस होटल पर करीब 9.30 बजे तक खड़े रही। इस दौरान गाड़ी में ही राम सिंह और रणधीर के बीच पीने-पिलाने का दौर चल रहा था। पत्नी की मौत पर सिंदूर लगाकर रोया था उदय अपनी पत्नी की मौत पर उसकी लाश की मांग में सिंदूर लगाकर खूब रोया था। यह वीडियो उसकी इंस्टाग्राम आईडी पर 11 जुलाई को 12.37 बजे पोस्ट में दिखाई पड़ रहा है। वीडियो में उदय यादव पत्नी अंजली की लाश से लिपट कर इतना रोया कि उसे परिवार के लोगों ने खींचकर अलग किया था। अंजली की मौत से उदय काफी दुखी दिखाई पड़ रहा था। उसने अपनी पत्नी का हिंदू रीति-रिवाज से न सिर्फ अंतिम संस्कार किया, बल्कि उसकी आत्मा को शांति मिले इसके लिए 13 दिन शांति पाठ हवन और दूसरे कर्मकांड भी बखूबी निभाए थे। उदय को ढूंढते हुए कानपुर पहुंची पुलिस उदय की तलाश में पुलिस की एक टीम कानपुर में रिश्तेदार के घर गई थी, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इतना जरूर सामने आया कि वह हत्या करने के बाद वहां पहुंचा था। उसके चचेरे भाई विजय की लोकेशन आखिरी बार प्रयागराज में ही मिली थी। इसके बाद कुछ पता नहीं चला।

जी.एल. बजाज में अत्याधुनिक एआर/वीआर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा। जी.एल. बजाज इंस्टीट्यूट

ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ने गर्वपूर्वक अपने अत्याधुनिक ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी (एआर/वीआर) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया, जो नवाचार और उद्योग-आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करने की इसकी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अवसर पर थॉटवर्क्स, एलटीआई माइंडट्री, न्यूजेन, सर्विसनाउ, सिस्को नेटवर्किंग अकादमी, एरिक्सन, पालो ऑल्टो, मिंत्रा, कोफोर्ज, फिडेलिटी, एमर्सन और वीवीडीएन जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के गणमान्य अतिथि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिसने उद्योग और अकादमिक जगत का एक अद्वितीय संगम प्रस्तुत किया। एल्गोरिक्स इस पहल के प्रशिक्षण भागीदार के रूप में उभरा है। एआर/वीआर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को इस तरह से विकसित किया गया है कि यह विद्यार्थियों को इमर्सिव टेक्नोलॉजी में उन्नत कौशल प्रदान करे। यहां विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, ई-कॉमर्स, साइबर सुरक्षा और प्रोडक्ट डिजाइन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के वास्तविक अनुप्रयोगों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। अत्याधुनिक उपकरणों और वैश्विक मानकों पर आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ यह लैब विद्यार्थियों को नवाचार के समाधान विकसित करने और तेजी से डिजिटल हो रही दुनिया में भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में सक्षम बनाएगी। इस अवसर पर जी.एल. बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने कहाः-

'जी.एल. बजाज में हमारा विज़न शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटते हुए विद्यार्थियों को सबसे उन्नत लर्निंग इकोसिस्टम उपलब्ध कराना है। एआर/वीआर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस केवल एक लैब नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म है जहां विचार और नवाचार एक साथ मिलते हैं। हमारे प्रतिष्ठित उद्योग साझेदारों के सहयोग से हम ऐसे भविष्य-तैयार प्रोफेशनल्स तैयार करना चाहते हैं जो तकनीकी परिवर्तन की अगली लहर का नेतृत्व करें।' यह पहल जी.एल. बजाज की पहचान को एक ऐसे अग्रणी संस्थान के रूप में और भी मजबूत करती है जो अनुभवात्मक शिक्षा और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देता है, ताकि विद्यार्थी बदलते वैश्विक परिदृश्य में आवश्यक कौशल, अनुभव और आत्मविश्वास के साथ सफलता प्राप्त कर सकें।

इफको द्वारा नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान के अंर्तगत किसान गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा। नोएडा अध्यक्ष/प्रभारी खंड विकास अधिकारी दादरी

गौतम बुद्ध नगर की अध्यक्षता में जनपद में नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान के अंर्तगत इफको द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन विकास खण्ड, दादरी (ब्लॉक सभागार) में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ए0डी0ओ0 ए0जी0 राकेश कुमार शर्मा, ए0डी0ओ0 पंचायत मंजू , पी.पी.एफ विशाल गौरव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में इफको के क्षेत्रीय प्रतिनिधि चौधरी भूपेन्द्र द्वारा सभी पदाधिकारियों तथा किसान भाईयों का संबोधन करते हुये कहा कि दानेदार यूरिया खाद का अत्यधिक प्रयोग मिटटी, पानी व हवा को प्रदूषित कर रहा है, जिससे कैंसर जैसी भयंकर बीमारियों फैल रही है, उन्होंने सभी किसानो को नैनो उर्वरक तथा जैव उर्वरक का प्रयोग करने के लिये कहा। उन्होंने पारंपरिक खाद की तुलना में नैनो उर्वरक का अधिक प्रयोग करके किसान बेहतर पैदावार ले सकता है। प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी अनिल द्वारा सभी किसान भाईयों को नैनो उर्वरक का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिये कहा जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कृषि उत्पादन भी बेहतर हो। कार्यक्रम में ए0डी0ओ0 ए0जी0 राकेश शर्मा द्वारा बताया गया कि नैनो यूरिया तथा नैनो डी0ए0पी0 एक स्वदेशी उर्वरक है तथा यह आत्मनिर्भर भारत तथा आत्मनिर्भर कृषि की परिकल्पना को साकार करने में सक्षम है। पी0पी0एस0 विशाल गौरव द्वारा नैनो टैक्नोलॉजी तथा नैनो डी0ए0पी0 से बीज उपचार तथा जड शोधन के बारे में बताया तथा बताया कि किस तरह से हम धान की फसल में जड शोधन और स्प्रे के माध्यम से नैनो उर्वरक व नैनो डी0ए0पी0 का प्रयोग कर सकते है।आयोजित कार्यक्रम कार्यक्रम में समस्त कृषक तथा कृषि विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन इफको एस0एफ0ए0 रमन तोमर द्वारा किया गया।

81 किलोमीटर की तैराकी – सेक्टर-122 के साहस और संकल्प की मिसाल,सत्यनारायण प्रसाद ने 13 घंटे में गंगा की धारा को चीरते हुए रचा नया इतिहास,शामिल हुए भारत के दिग्गज तैराकों की सूची में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा। मुर्शिदाबाद तैराकी संघ द्वारा 31 अगस्त को भगीरथ गंगा

नदी में 79वीं ओपन वाटर नेशनल वर्ल्ड लॉन्गेस्ट स्विमिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत के कई दिग्गज तैराकों ने भाग लिया और जलधारा को अपने साहस से चुनौती दी। नोएडा सेक्टर-122 निवासी सत्यनारायण प्रसाद ने इस प्रतियोगिता में अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए 81 किलोमीटर की लंबी दूरी को मात्र 13 घंटे में पूरा कर लिया। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत विजय है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है। उनकी इस साहसिक उपलब्धि ने उन्हें भारत के लम्बी दूरी के दिग्गज तैराकों की सूची में शामिल कर दिया है। जिला तैराकी संघ समेत विभिन्न खेल संघों, खिलाड़ियों और नागरिकों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके जज़्बे को सलाम किया।

'जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने सूबेदार मेजर उदयपाल सिंह भाटी को दी सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा। ग्राम आच्छेपुर निवासी श्यौराज सिंह भाटी के पुत्र और

भारतीय सेना के वीर सपूत सूबेदार मेजर उदयपाल सिंह भाटी के सेवानिवृत्ति अवसर पर आज कस्बा रबूपुरा में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया। इस मौके पर जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'देश की रक्षा और सेवा में अपना पूरा जीवन अर्पित करने वाले वीर जवानों का योगदान सदैव अमर रहेगा। उदयपाल सिंह भाटी ने अपनी निष्ठा, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति से देश और समाज का गौरव बढ़ाया है। हम सभी को ऐसे जांबाज वीर सपूतों पर गर्व है।' इस सम्मान समारोह कार्यक्रम में कस्बा रबूपुरा से ग्राम आच्छेपुर तक तिरंगा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में नौजवानों ने हिस्सा लेकर, देशभक्ति का संदेश दिया। इस तिरंगा का शुभारंभ जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किया, इस तिरंगा यात्रा से पूरा क्षेत्र भारत माता के जयकारों और देशभक्ति गीतों से गुंजायमान हो गया। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि 'इस देश की मिट्टी ने हमेशा ऐसे वीर सपूत पैदा किए हैं, जिन्होंने देश की रक्षा में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होकर भी ऐसे व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।'

ट्रैफिक अव्यवस्था के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) का हल्ला बोल

नोएडा। सेक्टर 14 में परविन्दर सिंह यादव प्रदेश अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन क्रांति ने ट्रैफिक एडिशनल डीपी मनीष सिंह से

मुलाकात की और इस मौके पर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा गौतम बुद्ध नगर में दिन-प्रतिदिन बढ़ते ट्रैफिक जाम, जर्जर सड़कों और अव्यवस्थित यातायात प्रबंधन ने आम जनता और किसानों की ज़िंदगी को नरक बना दिया है। किसान भाई अपनी उपज समय पर मंडी तक नहीं पहुँचा पा रहे, स्कूली बच्चे घंटों सड़क पर फंसे रहते हैं और रोज़मर्रा की ज़रूरतें भी पूरी नहीं हो पा रहीं। भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) लंबे समय से इस समस्या को उठाती रही है, परंतु प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए। हमारी प्रमुख माँगें:- 1. जिले की प्रमुख सड़कों पर जाम की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। 2. हाईवे और शहर के अंदर ट्रैफिक पुलिस की पर्याप्त तैनाती की जाए। 3. किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉली व कृषि वाहनों को अनावश्यक रोके जाने की परेशानी खत्म की जाए। 4. जर्जर सड़कों और गड्ढों की तुरंत मरम्मत हो। 5. ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए स्थानीय संगठनों और किसान यूनियन से चर्चा की जाए। यूनियन का ऐलानः- यदि जल्द ही जिला प्रशासन और ट्रैफिक विभाग इस गंभीर समस्या का हल नहीं निकालते, तो भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) उग्र आंदोलन करने पर बाध्य होगी। यह आंदोलन किसानों और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए होगा और जब तक ट्रैफिक की समस्या खत्म नहीं होगी, हमारा संघर्ष जारी रहेगा। भारतीय किसान यूनियन क्रांति के प्रतिनिधि मंडल में आज उपस्थित रहे परविंदर यादव प्रदेश अध्यक्ष, सोनू यादव प्रदेश संगठन मंत्री, प्रेम सिंह प्रदेश महासचिव, रविंद्र सिंह प्रदेशसचिव, जोगिंदर यादव जिला उपाध्यक्ष, कोशिंदर प्रधान जी,शिवम शर्मा युवा नोएडा महानगर अध्यक्ष, मोहित चौहान, मनीष चौहान आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सड़क निर्माण को लेकर उठे सवालों ईओ ने किया निरीक्षण,ईओ ने गुणवत्ता पर सख्ती की दी संबंधितों को चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/चोपन। नगर पंचायत चोपन में चल रहे सड़क निर्माण

कार्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अधिशासी अधिकारी मधुसूदन जायसवाल ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्य जनता की सुविधा के लिए कराया जा रहा है और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ईओ ने ठेकेदार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्माण कार्य मानकों और नियमों के विपरीत पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत का उद्देश्य केवल जनता को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना है, इसलिए कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।निरीक्षण के समय स्थानीय लोगों ने भी बताया कि यह सड़क वर्षों पुरानी और जर्जर अवस्था में थी। इसके निर्माण से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय सभासद सुशील साहनी ने कहा कि कुछ लोग बिना हकीकत जाने अफवाह फैलाकर विकास कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह सड़क जनता की मांग पर बनाई जा रही है। वार्डवासियों में सड़क निर्माण को लेकर उत्साह देखने को मिला। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश अग्रहरि और समाजसेवी ज्ञानेन्द्र पाठक ने भी कहा कि इस सड़क के बनने से नशा मुक्ति अस्पताल, सोनेश्वर महादेव मंदिर, निषाद राज पार्क और सोन नदी घाट तक आवागमन आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि लंबे समय से खराब पड़ी इस सड़क की मरम्मत से स्थानीय लोगों को काफी सहूलियत होगी।इस दौरान ईओ ने आमजन से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न देकर नगर के विकास कार्यों में सहयोग करें ताकि सभी नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

गैंगस्टर एक्टः दोषी गैंग लीडर समेत दो को 7-7 वर्ष की कठोर कैद

10-10 हजार रूपये अर्थदंड , अर्थदंड न देने पर दो-दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी,जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी,करीब पांच वर्ष पूर्व गैंगेस्टर एक्ट में दर्ज हुआ था मुकदमा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब पांच वर्ष पूर्व दर्ज हुए गैंगेस्टर एक्ट के मामले में विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर कोर्ट

सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी गैंग लीडर राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बनारसी उर्फ कल्लू व सक्रिय गैंग सदस्य सगा भाई शुभम गुप्ता को 7-7 वर्ष की कठोर कैद एवं 10-10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो-दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार राय ने रॉबर्ट्सगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 25 सितंबर 2020 को पुलिस बल के साथ देखभाल क्षेत्र में था तो पता चला कि राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बनारसी उर्फ कल्लू पुत्र विष्णु गुप्ता निवासी कुतुरपुरा, थाना वाराणसी, जिला वाराणसी हाल पता कचहरी रोड रॉबर्ट्सगंज, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र का एक सक्रिय गैंग है, जिसका वह गैंग लीडर है। इसके अलावा गैंग का सक्रिय सदस्य उसका सगा भाई शुभम गुप्ता पुत्र विष्णु गुप्ता के साथ अन्य सदस्य शामिल हैं। इनके विरुद्ध हत्या, मारपीट समेत कई मुकदमा विचाराधीन है। लोगों में भय पैदा कर आर्थिक लाभ हेतु कार्य करना इनका एकमात्र कार्य है। यहीं वजह है कि इनके विरुद्ध कोई भी मुकदमा लिखवाने अथवा गवाही देने की जुर्रत नहीं करता है। जिसकी वजह से इनका वर्चस्व कायम है। इस तहरीर पर 25 सितंबर 2020 को रॉबर्ट्सगंज थाने में गैंगस्टर एक्ट में एफआईआर दर्ज किया गया था। विवेचना के उपरांत पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में गैंग लीडर राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बनारसी उर्फ कल्लू एवं सक्रिय सदस्य शुभम गुप्ता के विरूद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी गैंग लीडर राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बनारसी उर्फ कल्लू और सक्रिय सदस्य शुभम गुप्ता को 7-7 वर्ष की कठोर कैद एवं 10-10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो-दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील धनंजय शुक्ला ने बहस की। गैंगलीडर को मिर्जापुर व सक्रिय सदस्य को सोनभद्र जेल भेजा गया.गैंगेस्टर कोर्ट सोनभद्र ने दोषी गैंगलीडर राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बनारसी उर्फ कल्लू को जिला कारागार मिर्जापुर तथा सक्रिय सदस्य शुभम गुप्ता को जिला कारागार गुरमा, सोनभद्र भेजने का आदेश दिया है।

मालिकाना हक को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन,सदर ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा लसड़ा का मामला

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व क्षेत्र पंचायत सदस्य के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बुलंद की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत

ग्राम सभा लसड़ा के दर्जनों ग्रामीणों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में मालिकाना हक की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व क्षेत्र पंचायत सदस्य के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सौप मांग पत्र। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विमलेश पांडेय अथवा क्षेत्र पंचायत सदस्य मुन्ना ने बताया कि विगत 70 ,80 वर्षों से हरिजन बस्ती पिछड़े आदिवासी इलाके में मकान बनाकर सरकारी जमीन पर रह रहे हैं आज तक उनको अधिकारियों द्वारा मालिकाना हक प्राप्त नहीं हुआ जिस संदर्भ में पूर्व में भी संबंधित अधिकारियों को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया गया इसके बावजूद कोई कार्रवाई न होने पर आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए आवाज बुलंद की गई इस दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि संबंधित अधिकारी द्वारा आश्वासन देते हुए बताया गया कि जल्दी मामले का निस्तारण कराया जाएगा इस मौके पर शुभावंती, विकास, रामलाल, संजय कुमार, अमरेश, संदीप, कलावती, राजू राजकुमार सहित आदि लोग मौजूद रहे।

सोनभद्र बार एसोसिएशन को मिला सांसद निधि से सहयोग

सोनभद्र।डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन में सांसद छोटेलाल

सिंह खरवार ने महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बार एसोसिएशन के कार्यालय में बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस दौरान सांसद खरवार ने डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए कहा कि वे एक प्रसिद्ध वकील थे। उन्होंने न सिर्फ अपने मुवक्किलों का पक्ष रखा, बल्कि समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की भी वकालत की। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने आंबेडकर की मूर्ति के चबूतरा से कार्यालय तक इंटरलॉकिंग की मांग की। सांसद ने तुरंत अपनी सांसद निधि से 5 लाख रुपए की मंजूरी दी। इससे वकीलों को कार्यालय आने-जाने में सुविधा होगी। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने किया। मौके पर प्रदीप कुमार मौर्य, रवीन्द्र बहादुर सिंह, राजेश कुमार यादव, चर्तुभुज शर्मा, संदीप जायसवाल समेत कई वकील मौजूद रहे।

डीपीआर को अनदेखा कर धन का किया गया बंदरबाटःकौशल शर्मा निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी अपने आप को कर रहे असहाय महसूस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर उरमौरा स्थित होटल वैभव में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र की एक

आवश्यक बैठक स्थानीय आयोजित की गई इसके उपरांत नगर में जल भराव की समस्या एवं बेतरतीब नाली निर्माण के संबंध में स्थानीय पत्रकारों से प्रेस वार्ता भी संपन्न हुई। पत्रकारों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि नगर में जो नाले का निर्माण किया गया इसकी डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) ही संदिग्ध है डीपीआर किसी भी परियोजना का ब्लूप्रिंट खाका है जिससे उसकी उपयोगिता, लागत, लाभ, व्यवहारिता सिद्ध की जाती है डीपीआर रोड मैप की तरह काम करता है इसमें काम शुरू होने से लेकर पूरा होने तक की सभी प्रक्रियाएं समय सीमा जिम्मेदारियां एवं चरणवार कार्रवाई लिखी होती है। उन्होंने कहा कि उल्लेखनीय है कि नाले का यह यह प्रोजेक्ट बढौली चौराहे से लेकर इस नाले को हिंदुवारी बेलन नदी में गिराना था लेकिन इस प्रोजेक्ट को डाइवर्ट कर दिया गया एवं नगर में बनाया गया नाला सफेद हाथी साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में नाली के गंदे पानी को सीधे पकरी जाने वाले नहर में गिराया जा रहा है जो अत्यंत बदबूदार है।

यह पानी सिंचाई एवं पशुओं के पीने में उपयोग होता है जिससे संक्रामक बीमारियां भी फैल सकती है एवं पशु मर भी सकते हैं आदर्श नगरपालिका में गंदगी एवं जल जमाव के कारण मच्छर के लार्वा पनपने एवं संक्रामक रोग फैलने की पूरी पूरी आशंका बनी हुई है प्लाई ओवर के नीचे गंदगी का अंबार लगा है। श्री शर्मा ने कहा कि भारत में जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1974 के अनुसार बिना शोधन किए हुए अपशिष्ट को जल या नदी में गिराना कानूनी अपराध है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं। नगर की समस्या का निराकरण करने के बजाय लोगों का ध्यान भटका रहे हैं एवं स्थानीय लोगों को गुमराह किया जा रहा है। हर व्यक्ति अपनी नाकामियों का ठीकरा दूसरे के ऊपर फोड़ना चाहता है जबकि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि किसी भी योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति को मिले। जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह ने कहा कि 2016 में फ्लाईओवर निर्माण के बाद उपसा द्वारा जो नाले का निर्माण किया गया था उसका ढलान सही न होने के कारण पानी का निकास नहीं हो पा रहा है जगह-जगह जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो रही थी तो पहले कारण खोज कर उसकी सही डिजाइन बनाकर जल भराव के कारणों को दूर किया जाना चाहिए था। तब दूसरे नाले का निर्माण करना चाहिए था। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल ने कहा कि धर्मशाला चौक से चांदी होटल रास्ते पर पहले से चलभराव की स्थिति का सामना नगर वासी कर रहे थे फिर इसी पैटर्न पर नगर में नाली का निर्माण कर दिया गया कई जगह सड़क से ऊंची नाली होने के कारण जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है तमाम ऐसे भी घर है जिनका लेवल नाली के नीचे है उनके घर के पानी का निकास पीछे धकेल रहा है ऐसे में पानी का निकास कैसे संभव होगा। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन ने कहा कि 2020 के प्रोजेक्ट को 2025 में वह भी बरसात के महीने मेंआनन-फानन में नाली निर्माण की क्याआवश्यकता थी इस संबंध में प्रत्येक घरों से निकलने वाले पानी की मात्रा एवं स्थानीय लोगों से राय लिया जाना चाहिए था इतना ही नहीं निर्माण कंपनी द्वारा नाली का कीचड़ भी उठाकर सड़क पर फेंका गया और फिर उसी गंदे कीचड़ से गड्ढे पाट दिए गए।

निर्माण के मापदंडों को पूरा नहीं किया गया नाले के नीचे गिट्टी की ढलाई भी नहीं की गई। दिलकरन सिंह ने कहा कि नगर के नागरिक इस भयावह समस्या से पिछले दो दशकों से जूझ रहे हैं परंतु इसका कोई स्थाई समाधान नहीं निकल पा रहा है अगर यही दशा रही तो यहां के व्यापारियों को सड़क पर उतरना मजबूरी होगी।

अमित अग्रवाल एवं गुरप्रीत सिंह ने कहा कि नगर विकास मंत्री एक शर्मा जी का स्पष्ट आदेश था कि 30 मई 2025 तक नाली निर्माण, सफाई एवं जल भराव संबंधित समस्याओं का निराकरण किसी भी हाल में कर दिया जाए बावजूद इसके बरसात में ही नाली निर्माण कराया गया। बैठक में प्रमुख रूप से प्रितपाल सिंह, राजेश जायसवाल ,प्रशांत जैन, दिल करण सिंह, अमित जायसवाल आदि लोगों उपस्थित रहे।

पुलिस प्रशासन के खिलाफ पुतला फुक कर जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने रावटसगंज नगर स्थित स्वर्ण जयंती चौक पर मंगलवार को

पुलिस प्रशासन खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन पर जताया आक्रोश नेतृत्व कर रहे प्रदेश सह मंत्री शशांक मिश्रा ने बताया कि श्री रामस्वरुप मेमोरियल निजी विश्वविद्यालय, लखनऊ में छात्रों से की जा रही अवैध वसूली के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज - एबीवीपी का आक्रोश, सोनभद्र में पुलिस प्रशासन का पुतला दहन श्री रामस्वरुप मेमोरियल निजी विश्वविद्यालय, देवा रोड, लखनऊ द्वारा विद्यार्थियों से की जा रही लगातार अवैध वसूली, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के विरोध में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे सैंकड़ों एबीवीपी कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों पर पुलिस द्वारा किया गया बर्बर लाठीचार्ज अत्यंत निंदनीय एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। वहीं प्रदेश सह मंत्री शशांक मिश्रा ने बताया कि यह घटना यह दर्शाती है कि किस प्रकार शिक्षा संस्थानों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। छात्रों की जायज़ माँगों को अनसुना कर, उनके ऊपर बल प्रयोग करना पुलिसिया दमन का स्पष्ट उदाहरण है। इस घटना के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सोनभद्र इकाई द्वारा रॉबर्ट्सगंज के बढ़ौली चौक पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए पुलिस प्रशासन का पुतला दहन किया गया। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कार्यवाही नहीं हुई, तो यह आंदोलन जिला आंदोलन में परिवर्तित हो जाएगा। शशांक मिश्रा (प्रदेश सह मंत्री, एबीवीपी) ने कहाः- 'छात्रों पर लाठीचार्ज कर सरकार और प्रशासन ने यह साबित कर दिया है कि वे शैक्षिक भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रहे हैं। एबीवीपी यह स्पष्ट करती है कि छात्रों की आवाज़ को दबाने का हर प्रयास विफल होगा। हम अंतिम छात्र तक की लड़ाई लड़ेंगे।' सौरभ सिंह (विभाज संयोजक, एबीवीपी) ने कहाः- 'विश्वविद्यालयों में हो रहे आर्थिक और प्रशासनिक शोषण के खिलाफ जब छात्र एकजुट होकर शांतिपूर्वक आवाज़ उठाते हैं, तो उन पर लाठियाँ बरसाई जाती हैं। यह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। एबीवीपी इस लड़ाई को और तेज़ करेगी।' ललितेश मिश्रा (जिला संयोजक, एबीवीपी सोनभद्र) ने कहाः- 'सोनभद्र के कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे। अगर दोषियों पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई, तो यह आंदोलन जिले से निकलकर पूरे प्रदेश में फैल जाएगा। छात्र और युवाओं का गुस्सा अब उबाल पर है।' एबीवीपी स्पष्ट रूप से कहती है किः- शैक्षिक भ्रष्टाचार, पुलिसिया गुंडई व छात्रविरोधी दमन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छात्रों की आवाज को दबाने की हर कोशिश का विरोध होगा। इस मौके पर पूर्व जिला संयोजक सौरभ चौबे व मृगांक दुबे प्रांत कार्य समिति सदस्य अनमोल सोनी,तहसील संयोजक राहुल जलान,जिला सदस्यता प्रमुख प्रिंस पटेल,अतुल पांडे,अरुण चौबे,अमन राज,गोलू,सत्यम शुक्ला,आलोक सोनकर,धर्मेश,हर्ष चौबे, आनंदजीत,शिवेंद्र यादव,शिवम शुक्ला आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एकादशी तिथि पर चंद्रापुर मंदिर में संपन्न हुआ 51 बार संकटनाशन गणेश स्तोत्र का पाठ

सोनभद्र। बाबा जग मोहनेश्वर, चंद्रापुर मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित भगवान गणेश जी के दरबार में आज दिनांक 3 सितंबर 2025 को भाद्र शुक्ल पक्ष के एकादशी के पावनअवसर

पर 51 बार संकटनाशन गणेश स्रोत का पाठ संपन्न किया गया अचार पंडित नीरज तिवारी के द्वारा पूजन प्रारंभ कराया गया जिसमें गणेश जी को कमल पुष्प की माला, दुर्वांकुर की माला, एवं गुलाब की माला पहनाई गई इसके बाद गणेश जी को रोली, चावल, हल्दी ,सिंदूर, अबीर समर्पित किया गया इसके बाद आरती भी की गई गणेश जी को आलू मूंगफली, केला, पंचामृत, चाय, पेड़ा एवं मोदक प्रसाद का भोग लगाया गया , उक्त अवसर पर पूरा मंदिर परिसर भक्तों से भरा हुआ था उक्त अवसर पर यजमान के रूप में गोविंद श्रीवास्तव, कृष्णकांत त्रिपाठी, शिवानी सिंह, रवि सोनी, डॉक्टर किरण श्रीवास्तव, मीरासिंह, सचिंद्र शुक्ला, अमृता सिंह, सरोज सिंह, प्रतिभा तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे पूरी व्यवस्था को सुचार ढंग से श्री धर्मेंद्र श्रीवास्तव, मंटू शुक्ला आशीष सविता राजीव दीक्षित एवं अश्वनी शुक्ला ने व्यवस्थित किया।

बीती रात हुई बरसात में एक किसान का कच्चे का घर गिरा,सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा लसड़ा का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा लसड़ा में बीती रात रुक-

रुक कर हो रही बरसात से एक किसान का कच्चे मकान का घर गिर पड़ा जिससे हुई हजारों छती किसान द्वारा संबंधित लेखपाल से मामले को कराया अवगत। पीड़ित किसान दिनेश कुमार पांडेय ने बताया कि बीती रात रुक-रुक कर हो रही बरसात से मेरे मिट्टी का घर अचानक गिर पड़ा जिससे घर गिरस्ती का सामान क्षतिग्रस्त हो गया वहीं इस संदर्भ में सुबह हल्का लेखपाल को मामले से अवगत कराया पीड़ित ने जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए मुआवजा दिलाए जाने की लगाई गुहार।

सोनभद्र मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य व्यवस्था का विरोध

सोनभद्र। बदहाल स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया है, सपा कार्यकर्ताओं ने बाजार में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

के सांकेतिक शख्स को स्ट्रेचर पर बैठाकर नगर में घुमाया, इस दौरान डिप्टी सीएम होश में आयो, जैसे नारे लगाए। सपाइयों ने आमजनता को ठगने की बात कही। इस दौरान स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया, सपा के जिला सचिव प्रमोद यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री उप मुख्यमंत्री फिर भी सरकारी अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था अत्यंत खराब है, सोनभद्र के सरकारी अस्पताल में ट्रामा सेंटर बंद है, बर्न यूनिट बंद है, अल्ट्रासाउंड के लिए एक महीने तक का नबर मिल रहा है,डिजिटल एक्सरे बंद है, प्रमोद यादव ने कहा कि कहने को मेडिकल कालेज है लेकिन मरीजों को 24, घंटे की सेवा तक नहीं है, आगे यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में स्वास्थ्य विभाग जर्जर हो चुकी हैं, जबकि स्वास्थ्य मंत्री बेसुध हैं, मरीजों को दवा नहीं मिल रहा है, डाक्टरों की कमी है, और यहां के सत्ता दल के विधायक जनता की समस्याओं से दूर हैं।सपा नेता मनीष त्रिपाठी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में 24 घंटे की सेवा उपलब्ध नहीं है। डॉक्टरों की भी कमी है। महिला सभा प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष गीता गौर ने कहा कि गरीब महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

सोनभद्र में ठगो ने डाक्टर बन वैरिफिकेशन के नाम पर गर्भवती महिला से की 70 हजार की ठगी

सोनभद्र। साइबर ठगों ने वैरिफिकेशन के बहाने कस्बा निवासी गर्भवती महिला अंजली

सोनी के खाते से 70 हजार रुपये उड़ा दिये। इससे पहले साइबर ठग ने खुद को लखनऊ का चिकित्सक रोहित कुमार श्रीवास्तव बताया और रामगढ़ की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हीरावती देवी को फोन किया।बताया कि? फिर आंगनबाड़ी ने अंजली को लखनऊ से डाक्टर का फोन आने पर जानकारी शेयर करने के लिए कहा था। पीड़िता ने मामले की शिकायत पन्नूगंज थाना के साथ ही साइबर थाना पुलिस से की है।अंजली के पति शुभम सोनी ने बताया कि 30 अगस्त को सुबह लगभग 11 बजे मोबाइल नंबर से वायस काल आया। फोन करने वाले ने अपना नाम डॉक्टर रोहित कुमार श्रीवास्तव बताया। उसने कहा कि आपका वेरिफिकेशन नहीं हुआ है, आप गर्भवती महिला है। आपका चेहरा देखकर वेरिफिकेशन किया जाएगा। फोन काटने के कुछ पल बाद ही उसने अंजली को वीडियो काल किया।काल करने वाले व्यक्ति की उधर कोई फोटो नहीं दिख रही थी। साइबर ठग ने कहा कि आप वीडियो कॉलिंग के दौरान ही स्क्रीन शेयर करिए। स्क्रीन शेयर करने के ठीक तीन मिनट बाद भुक्तभोगी महिला के मोबाइल पर बैंक का मैसेज आया कि उसके खाते से सत्तर हजार एक रुपये निकाल लिया गया है। फिर काल करने वाले का दोनों नंबर बंद बताने लगा।महिला का एचडीएफसी बैंक राबर्ट्सगंज शाखा में खाता है। ठगी होने के तुरंत बाद महिला के पति शुभम सोनी ने 1930 पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद पन्नूगज थाने पर सूचना दी। दो सितंबर को पुलिस लाइन जाकर लिखित धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई। भुक्तभोगी महिला के पति ने बताया कि धोखाधड़ी वाले करने वाले से पहले ग्राम पंचायत रामगढ़ की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हीरावती ने पत्नी पर फोन करके कहा कि लखनऊ से डाक्टर साहब का फोन आएगा। आपका नंबर हमने दिया है। जो भी डाक्टर साहब पूछेंगे, वेरिफिकेशन के लिए बता दीजिएगा। शायद हीरावती को भी पता नहीं चल पाया कि वह साइबर ठग है। अन्यथा सचेत रहते तो ऐसी घटना न हुई होती।

स्प्राउट्स खाने से हो सकता है नुकसानः ये 7 बातें ध्यान रखें, डाइटीशियन से जानें किन लोगों को नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। जो लोग अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखते हैं, उनके लिए स्प्राउट्स (अंकुरित) एक बेहतरीन सुपरफूड है। यह प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है, जिससे न सिर्फ शरीर को पर्याप्त एनर्जी मिलती है, बल्कि इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। यही वजह है कि हेल्थ कॉन्शियस लोग इसे डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि डाइट में शामिल करते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कई बार थोड़ी सी भी लापरवाही सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए कब नुकसानदायक हो सकते हैं? किन लोगों को स्प्राउटस खाने से परहेज करना चाहिए? एक्सपर्ट- अनु अग्रवाल, डाइटीशियन और 'वनडाइटडुडे' की फाउंडर बताएंगी सवाल जवाब के माध्यम से- पहला सवाल- स्प्राउट्स क्या है? जवाब- स्प्राउट्स वे बीज होते हैं, जो कुछ घंटों या दिनों तक पानी में भिगोने और उचित नमी और तापमान में रखने के बाद अंकुरित होने लगते हैं। ये पोषण से भरपूर होते हैं और इन्हें सलाद, सैंडविच, सब्जियों, या अन्य खाने की चीजों में इस्तेमाल किया जाता है। सवाल- कौन-कौन से बीज और दालें स्प्राउट किए जा सकते हैं? जवाब- मूंग दाल, मसूर दाल, चना (काला और सफेद), मेथी दाना, गेहूं, रागी, सोयाबीन, राजमा, मटर या लोबिया के बीज और सूरजमुखी के बीज स्प्राउट किए जा सकते हैं। ये सभी पोषण से भरपूर होते हैं और पाचन के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। सवाल- कच्चे स्प्राउट्स को खाने से क्या जोखिम हो सकता है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि अगर स्प्राउट्स को अच्छी तरह से धोया या सही तरीके से स्टोर नहीं किया जाए तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। स्प्राउट्स के अंकुरण के लिए गर्म और नम वातावरण चाहिए होता है, जो साल्मोनेला, ई. कोलाई और लिस्टीरिया जैसे हानिकारक बैक्टीरिया के पनपने के लिए आदर्श स्थिति बनाता है। सवाल- स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक कैसे हो सकते हैं? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि स्प्राउट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन इन्हें खाने से पहले सही तरीके से स्टोर और साफ करना जरूरी है। स्प्राउट्स गर्म और नम वातावरण में उगते हैं, जहां साल्मोनेला और ई. कोलाई जैसे हानिकारक बैक्टीरिया आसानी से पनप सकते हैं। अगर इन्हें अच्छी तरह न धोया जाए या गलत तरीके से स्टोर किया जाए तो यह फूड पॉइजनिंग, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इन्फेक्शन और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। सवाल- स्प्राउट्स खाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- स्प्राउट्स का सेवन हेल्दी है, लेकिन इन्हें सुरक्षित बनाने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए। सही तरीके से धोना, पकाना और स्टोर करना साल्मोनेला या ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया से बचा सकता है।सवाल- स्प्राउट्स खाने का सबसे सही समय कौन सा है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल के अनुसार, स्प्राउट्स खाने का सबसे अच्छा समय सुबह नाश्ते में या दोपहर के खाने से पहले है। इस समय शरीर इन्हें आसानी से पचा लेता है और इनके पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग कर पाता है। वहीं रात में कच्चे स्प्राउट्स खाने से बचना चाहिए क्योंकि इनमें मौजूद अधिक फाइबर और एंजाइम धीमे पाचन के दौरान गैस, पेट फूलना या अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। सवाल- क्या स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हो सकते हैं। इनमें कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराता है और ओवरईटिंग से बचाता है। साथ ही इनमें मौजूद प्रोटीन मसल्स बनाने और फैट बर्न करने में सहायक होता है। हालांकि बेहतर परिणाम के लिए इन्हें संतुलित मात्रा में और संतुलित डाइट के साथ ही शामिल करना चाहिए।सवाल- क्या स्प्राउट्स को पकाकर खाने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स को ज्यादा पकाने पर विटामिन सी और बी जैसे कुछ हीट-सेंसिटिव पोषक तत्व कम हो सकते हैं। हालांकि हल्का स्टीम करना या थोड़ा उबालना बेहतर विकल्प है। इससे बैक्टीरिया का खतरा घटता है और अधिकांश पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। सवाल- क्या पैकेज्ड या मार्केट से खरीदे स्प्राउट्स सुरक्षित होते हैं? जवाब- जरूरी नहीं कि पैकेज्ड या बाजार से खरीदे गए स्प्राउट्स हमेशा सुरक्षित हों। अगर उनकी स्टोरेज या हैंडलिंग सही तरीके से न हुई हो तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसलिए खरीदते समय एक्सपायरी डेट जांचें, पैकिंग में बदबू, नमी या फफूंदी के लक्षण न हों और घर लाने के बाद इन्हें अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। सवाल- स्प्राउट्स को खराब होने से कैसे बचाएं? जवाब- स्प्राउट्स को खराब होने से बचाने के लिए उन्हें हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में स्टोर करें और 2-3 दिन के भीतर इस्तेमाल कर लें। नमी और गर्मी में ये जल्दी खराब हो सकते हैं। हल्का उबालने या स्टीम करने से इनकी शेल्फ लाइफ थोड़ी बढ़ सकती है। अगर इनमें बदबू, चिपचिपापन या रंग बदलने के संकेत दिखें तो इन्हें तुरंत फेंक दें। सवाल- बच्चों को स्प्राउट्स कब और कैसे देने चाहिए? जवाब- छोटे बच्चों (1-5 वर्ष) को कच्चे स्प्राउट्स देने से बचना चाहिए, क्योंकि उनका पाचन और इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होता है। 6 वर्ष से ऊपर के बच्चों को स्प्राउट्स धीरे-धीरे और डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह से शुरू कर सकते हैं।

अंकुरित आलू में टॉक्सिक कंपाउंड, खाने से हो सकती हैं 6 हेल्थ प्रॉब्लम्स, जानें आलू को स्टोर करने का सही तरीका

नयी दिल्ली। यूनाइटेड नेशन फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, आलू दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जियों में से एक है। ये कई सारे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। लेकिन अगर आलू अंकुरित हो जाते हैं तो इसे खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अंकुरित आलू वे होते हैं, जिनमें अंकुर यानी 'आंखें' उगने लगती हैं। ये अक्सर तब होता है, जब उन्हें लंबे समय तक स्टोर किया जाता है। अक्सर वे क्लोरोफिल के कारण हरे रंग के हो जाते हैं, जो प्रकाश के संपर्क में आने पर बनता है। नेशनल कैपिटल पॉइजन सेंटर मुताबिक, अंकुरित आलू सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इसमें सोलेनाइन और चाकोनाइन जैसे कुछ टॉक्सिक तत?व होते हैं। इसकी टॉक्सिसिटी से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जानेंगे कि- सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से साथ ही साथ क्या अंकुरित आलू खाने से किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? आलू को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? सवाल- किन वजहों से आलू जल्दी अंकुरित होते हैं? जवाब- आलू जमीन के नीचे उगने वाली सब्जी है, जिसमें नमी और स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि यह जल्दी अंकुरित हो जाता है। गर्म और नमी वाली जगह पर रखे आलू तेजी से अंकुरित होने लगते हैं। इसी तरह जब आलू पर रोशनी पड़ती है तो उनमें क्लोरोफिल बनने लगता है और अंकुर निकल आते हैं। अगर आलू को ऐसी जगह रखा जाए, जहां हवा न मिले तो वे जल्दी पसीज जाते हैं और अंकुरण शुरू हो जाता है। लंबे समय तक रखने पर आलू अपनी नेचुरल प्रोसिजर से भी अंकुरित होने लगते हैं। इसके अलावा प्याज-लहसुन जैसी सब्जियां इथिलीन गैस छोड़ती हैं, जो आलू के अंकुरण को तेज करती हैं। कुल मिलाकर यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अंकुर वास्तव में नए आलू के पौधे होते हैं। सवाल- क्या अंकुरित आलू में न्यूट्रिशन की कमी हो जाती है? जवाब- जब आलू अंकुरित होने शुरू होते हैं तो यह नए अंकुरों के ग्रोथ के लिए अपने न्यूट्रिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे आलू की न्यूट्रिशनल वैल्यू में कमी आ सकती है। आलू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन अंकुरित होने पर इसकी मात्रा कम हो जाती है। अंकुरण की प्रक्रिया में आलू में मौजूद स्टार्च शुगर में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इसके अलावा अंकुरित आलू में अन्य विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, विटामिन बी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा भी कम हो जाती है। सवाल- अंकुरित आलू खाने से कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- अंकुरित आलू में सोलेनाइन और चाकोनाइन नामक टॉक्सिक ग्लाइकोएल्कलॉइड होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसकी ज्यादा मात्रा से मतली, उल्टी, दस्त और पेट में ऐंठन हो सकती है। इसलिए अंकुरित आलू खाने से बचना चाहिए। अंकुरित आलू खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ और भी समस्याएं हो सकती हैं।सवाल- अंकुरित आलू खाना किन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि ताजे आलू की तुलना में अंकुरित आलू ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटिक मरीजों को इसे बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा कुछ और लोगों के लिए भी अंकुरित आलू स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकते हैं। जैसेकि- गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग। पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग। न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम वाले मरीज। कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्ति। एलर्जी से पीड़ित लोग। इन सभी लोगों में अंकुरित आलू से होने वाले सोलनाइन टॉक्सिसिटी का खतरा ज्यादा होता है, जो पेट दर्द, उल्टी, सिरदर्द और चक्कर जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। सवाल- आलू को कैसे स्टोर करें कि वह जल्दी अंकुरित न हो? जवाब- आलू को अंकुरित होने से बचाने के लिए उसे ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह पर 45-50° (7-10°f) के बीच स्टोर करें। इन्हें कभी भी फ्रिज में स्टोर न करें क्योंकि ठंडक स्टार्च को शुगर में बदल देती है और आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। आलू को प्याज या नमी वाली सब्जियों के पास न रखें। इन्हें जालीदार थैले या पेपर बैग में रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। आलू को ज्यादा समय तक न रखें, समय-समय पर खराब या अंकुरित आलू को अलग करते रहें। इसके अलावा कुछ और बातों का ख्याल रखें।सवाल- अंकुरित आलू को फेंकने की बजाय और किस काम में लाया जा सकता है? जवाब- खाने या फेंकने की बजाय अंकुरित आलू का उपयोग कई अन्य कामों में किया जा सकता है। जैसेकि- अंकुरित आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कंपोस्ट बिन में डाल दें। सड़ने के बाद यह मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाकर पौधों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अंकुरित आलू को पीसकर उसका रस पौधों पर छिड़कें। यह एक नेचुरल पेस्टिसाइड की तरह काम करता है और छोटे कीड़ों को दूर रखने में मदद करता है। आलू का रस स्किन पर लगाने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अंकुरित आलू को गमले या खेत की मिट्टी में लगा सकते हैं। इससे नए आलू के पौधे उग जाते हैं।

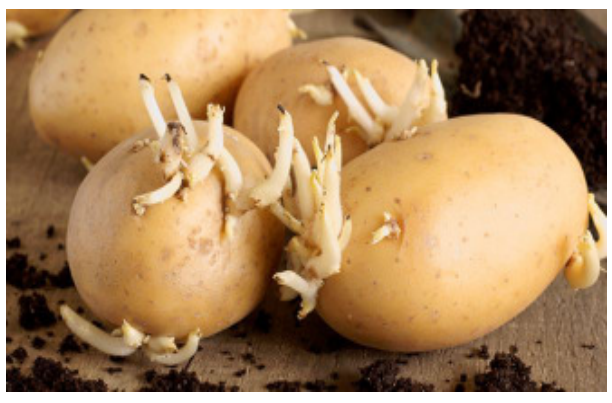

जोकोविच 14वीं बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, जिमी कोनर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की, अब अल्काराज से होगा सामना

नयी दिल्ली। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऊए ओपन 2025 के सेमीफाइनल

में पहुंच गए है। उन्होंने मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से हराया। यह उनका 14वां यूएस ओपन सेमीफाइनल है। उन्होंने इस जीत के साथ जिमी कोनर्स के सबसे ज्यादा 14 बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वहीं, स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने भी सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। जहां उनका सामना जोकोविच से होगा।जोकोविच का यह ओवरल 53वां ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है। फ्रिट्ज के खिलाफ उनका अब तक का रिकॉर्ड 11-0 का हो गया है। मैच के दौरान उन्होंने दर्शकों की ओर से शोरगुल पर नाराजगी जताई, लेकिन अपनी लय बनाए रखी। जीत के बाद जोकोविच ने अपनी बेटी तारा के आठवें जन्मदिन पर खास अंदाज में डांस किया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना स्पेन के युवा स्टार अल्कराज से होगा। अल्कराज ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका को सीधे सेटों में मात देकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने लेहेका को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक कोई सेट नहीं गंवाया है।आर्यना सबालेंका को विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में मार्केटा वोंद्रौसोवा के खिलाफ वॉकओवर मिला। 2023 विंबलडन चैंपियन वोंद्रौसोवा को प्रैक्टिस के दौरान घुटने में चोट लग गई थी, जिससे वो क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नहीं उतर सकीं। अब सबालेंका का सामना सेमीफाइनल में चौथी सीड जेसिका पेगुला से होगा।

हॉकी एशिया कप में भारत बनाम कोरिया, भारत ने ग्रुप स्टेज के सभी मैच जीते, कोरिया 2 मैच जीतकर सुपर-4 में पहुंची

नयी दिल्ली। हॉकी एशिया कप 2025 के सुपर-4 में भारत की भिड़ंत कोरिया से होगी। बिहार के राजगीर

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। भारतीय टीम ने ग्रुप स्टेज में अपने तीनों मैच जीते। टीम ने चीन को 4-3 और जापान को 3-2 से हराया। भारत ने आखिरी ग्रुप मैच में एकतरफा अंदाज में कजाकिस्तान को 15-0 से हराकर जीत हासिल की। हॉकी एशिया कप में कोरिया की टीम इस बार अपने बेस्ट फॉर्म से दूर दिखी है। पूल मैच में मलेशिया ने कोरिया 4-1 से हरा दिया था। पूल-बी टीम 2 मैच जीतकर दूसरे स्थान पर रही। भारत की वर्ल्ड रैंकिंग साउथ कोरिया से कहीं बेहतर है। भारत 7 और कोरिया 15वें स्थान पर है। लेकिन कोरिया इस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 5 बार जीतने वाली टीम है। 2022 का खिताब भी कोरिया के नाम रहा था।मैच डिटेल्स इंडिया बनाम कोरिया तारीखः बुधवार, 3 सितंबर 2025 स्थानः राजगीर हॉकी स्टेडियम, बिहार समयः शाम 7:30 बजे भारत ने कोरिया के खिलाफ 10 मैच जीते भारत और कोरिया के बीच अब तक कुल 21 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 10 में जीत दर्ज की है, जबकि सिर्फ 2 में उसे हार मिली है। 9 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। पिछली बार एशिया कप में इन दोनों टीमों का मुकाबला 4-4 से बराबरी पर खत्म हुआ था। कोरिया ने भारत के खिलाफ आखिरी जीत 2021 में सुल्तान अजलान शाह कप के फाइनल में शूटआउट के जरिए दर्ज की थी। दोनों टीमों के स्क्वॉड भारतः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), गोलकीपरः कृष्ण पाठक, सूरज करकेरा, डिफेंडरः सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, मिडफील्डरः राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, फॉरवर्डः मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह रिजर्वः नीलम संजीव जेस, सेल्वम कार्थी। कोरियाः जुंगजुन ली (कप्तान), डी अंग (गोलकीपर), जिहुन यांग, चियोलियोन पार्क, जिनकांग रिम, डेन सोन, जोंगसुक बाए, सियोग ओह, जेवोन सिम, सुंगह्युन बाएक, सूंग मिन बाए, जाएहान किम, जियोनहो जिन, हियोनहोंग किम, सियुंगवू ली, मिन सू चियोन, यूनहू कोंग, येसियुंग ली।

गुड हैबिट्स- भोजन में ढेर सारी सब्जियां खाने की आदतः सब्जी खाने से दिमाग होता तेज, बढ़ती उम्र, कब्ज, अपच, बीमारियां दूर रहती हैं

नयी दिल्ली। दुनिया में 5 ब्लू जोन हैं। यहां के लोगों की औसत उम्र 100 साल से ज्यादा है। ये लोग लंबे जीवन के लिए 9 नियम अपनाते हैं। उनमें सबसे खास है कि प्लांट बेस्ड खाना ही खाएंगे। ऐसी सभी चीजें खाएंगे, जो पेड़-पौधों के रूप में प्रकृति ने हमें दी हैं। ये खाने में ज्यादा-से-ज्यादा सब्जियां शामिल करते हैं। इसमें कोशिश ये होती है कि जितने ज्यादा रंगों की सब्जियां खाने में शामिल कर सकें। सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। इनसे मिले न्यूट्रिएंट्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज जैसी क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। खास बात ये है कि इनमें कैलोरी और फाइबर कम होता है। आज 'गुड हैबिट्स' कॉलम में ज्यादा सब्जियां खाने की आदत के बारे में जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- खाने में सब्जियां ज्यादा क्यों होनी चाहिए? ज्यादा सब्जियां खाने के क्या फायदे हैं? सब्जियां क्यों हैं इतनी खास? सब्जियां हमारे शरीर के लिए एक

सुपरफूड की तरह हैं। इनमें विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो हमें अंदर से मजबूत बनाते हैं। लेकिन ऐसा क्या है जो इन्हें इतना जरूरी बनाता है? विटामिन और मिनरल्स का खजाना- फल और सब्जियां विटामिन ए,सी,ई और मिनरल्स जैसे मैग्नीशियम, जिंक, फॉस्फोरस टेक्सचर की ढेरों वैरायटी- हर फल और सब्जी का स्वाद और बनावट अलग होती है। आप चाहें तो तीखे स्वाद वाले प्याज, जैतून और मिर्च ट्राई करें या फिर हल्के स्वाद वाले मशरूम और कॉर्न। मीठा खाने का मन हो तो अंगूर, अनन्नास और आलूबुखारा खाएं और खट्टे स्वाद के लिए नींबू और चकोतरा बढ़िया हैं। फाइबर से भरपूर- अधिकतर फल और सब्जियां फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पेट भरने और पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। ज्यादा फाइबर वाली सब्जियां हैं- मटर, ब्रोकली और फूलगोभी। फाइबर वाले फल हैं- रसभरी, नाशपाती और सेब। कम कैलोरी, कम फैट- अमूमन फल और सब्जियां कम कैलोरी और फैट वाली होती हैं, इसलिए इन्हें ज्यादा मात्रा में खा सकते हैं बिना वजन बढ़ने की चिंता के। उदाहरण के तौर पर, आधा कप अंगूर खाने से आप एक चौथाई कप के मुकाबले 200 से ज्यादा कैलोरी बचा सकते हैं। हां, एवोकाडो, जैतून और नारियल जैसे कुछ अपवाद भी हैं जिनमें थोड़ा ज्यादा फैट होता है। बीमारियों से बचाव- फल और सब्जियों में कुछ खास प्राकृतिक तत्व फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कई बीमारियों से बचाव करते हैं। इन्हें खाने से डायबिटीज टाइप 2, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर का खतरा कम हो सकता है। खासकर ब्रोकली, पत्ता गोभी, सरसों और जलकुंभी जैसी क्रूसीफेरस सब्जियां कैंसर से बचाव में मददगार मानी जाती हैं।

और फोलिक एसिड से भरपूर होती हैं। पोटेशियम के लिए एवोकाडो, शकरकंद, केला, आलूबुखारा और टोमैटो प्यूरी खाएं। स्वाद और ये वजन कम करने या बढ़ने से बचाने में मदद करती हैं। साथ ही सूजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर घटाने में भी असरदार हैं। बहुत कम सोडियम और कोलेस्ट्रॉल- ताजे फल और सब्जियों में सोडियम बहुत कम होता है। जैसे बहुत लोग मानते हैं कि सेलरी में सोडियम ज्यादा होता है, लेकिन एक डंठल में सिर्फ 30 मिलीग्राम होता है, जो सिर्फ 1फीसदी डेली वैल्यू है। सब्जियां कैसे खाएं? अब सवाल यह है कि सब्जियों को अपनी रोज की डाइट में कैसे शामिल करें। बहुत से लोग सोचते हैं कि सब्जियां खाना बोरिंग है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कुछ आसान तरीके हैं-सब्जियों को सलाद बनाएंः पालक, टमाटर, खीरा और गाजर को मिलाकर एक रंग-बिरंगा सलाद तैयार करें। थोड़ा नींबू और नमक डालें, मजा दोगुना हो जाएगा। सूप में डालकर खाएंः ठंड के दिनों में सब्जियों का सूप बनाएं। गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर इसे सेहतमंद और स्वादिष्ट बनाएं। भूनकर खाएंः आलू, शिमला मिर्च और बैंगन को हल्का तेल लगाकर भून लें। यह नाश्ते के लिए भी बढ़िया है। स्मूदी ट्राई करेंः पालक या चुकंदर को फलों के साथ ब्लेंड करें। यह पीने में आसान और पोषण से भरपूर होता है। दाल में मिलाकर खाएंः अपनी रोज की दाल में थोड़ी सी सब्जियां डालें, जैसे लौकी या पालक। स्वाद और सेहत दोनों बेहतर होते हैं। सब्जियां खाने के फायदे - सब्जियां खाने से हमारे शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। इसके कुछ खास फायदे हो सकते हैं- पेट की सेहत बेहतर रहती है सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या नहीं होने देता। बीमारियों से बचाव होता है सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। वजन कंट्रोल में रहता है सब्जियां कैलोरी में कम और पोषण में ज्यादा होती हैं, जिससे वजन बढ़ने का खतरा नहीं रहता और शरीर फिट रहता है। दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है हरी सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स मस्तिष्क को सक्रिय रखते हैं और याददाश्त बेहतर बनाते हैं। त्वचा निखरती है- विटामिन ए और सी से भरपूर सब्जियां त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और जवां बनाए रखने में मदद करती हैं। हर दिन कम से कम 2-3 कटोरी सब्जियां खानी चाहिए। इससे न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आपका मूड भी अच्छा रहता है। सब्जियां न खाने का नुकसान- अगर सब्जियां नहीं खाते, तो शरीर को जरूरी तत्व नहीं मिलते। इम्यूनिटी कमजोर होती है, पेट खराब रहता है और वजन बढ़ने का खतरा रहता है। लंबे समय तक ऐसा चला तो डायबिटीज और हार्ट की बीमारियां भी हो सकती हैं। आपके शरीर को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है- पाचन की दिक्कतः फाइबर की कमी से पेट खराब रहता है। कमजोरीः विटामिन्स न मिलने से थकान जल्दी होती है। बीमारियों का खतराः दिल और डायबिटीज जैसी बीमारियां बढ़ सकती हैं। वजन बढ़ता हैः सब्जियों की जगह जंक फूड खाने से मोटापा हो सकता है। सब्जियों को खाने में कैसे शामिल करें? सब्जियां खाना कोई मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ा सा दिमाग लगाएं और ये आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाएंगी। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। पहले मुझे पालक और भिंडी बिल्कुल पसंद नहीं थे। कुछ आसान तरीके आजमाएं और अब मेरी थाली में हर दिन कोई न कोई सब्जी जरूर होती है। सब्जियां खाना सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, पूरी जिंदगी के लिए फायदेमंद है। ये छोटी-सी आदत आपको लंबा और खुशहाल जीवन दे सकती है। आज से ही शुरू करें। अपनी थाली में रंग भरें और देखें कि आपका शरीर और मन दोनों कैसे खिल उठते हैं।

अच्छे पैरेन्ट्स बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं, चाहत नहीं!

7 साल की समायरा मुम्बई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपने काम को रोकने और बेटी से बात करने का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखें डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई है'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी

तुम्हें लगे कि ये खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुम्बई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफॉर्डेबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेंन्ट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर के बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझे। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता है। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

अमेरिका को अपनी कम्पनी की तरह चला रहे हैं ट्रम्प

वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों ने यह मजाक करना शुरू कर दिया है कि ट्रम्प के व्यवहार को भांपने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप 'टाको ट्रेड' का अभ्यास करें। इसका अर्थ है 'ट्रम्प ऑलवेज चिकन आउट'। यानी जरूरत पड़ने पर ट्रम्प हमेशा बच निकलते हैं। इशारा यह है कि ट्रम्प चाहे जितने जोर-शोर से टैरिफ की घोषणा करें, वे देर-सबेर उससे मुकर जाएंगे।एक दिन वे यूक्रेन को अपने से दूर कर रहे होते हैं, अगले दिन यूक्रेन पर खनिज सौदे के लिए दवाब बना रहे होते हैं, फिर तीसरे दिन यूक्रेन फिर से उनकी योजनाओं में शामिल हो जाता है। एक दिन व्लादिमीर पुतिन ट्रम्प के दोस्त होते हैं, अगले ही दिन ट्रम्प उन्हें 'क्रेजी' बता देते हैं।एक दिन कनाडा अमेरिका का 51वां स्टेट होता है, अगले दिन वह टैरिफ का निशाना बन जाता है। एक दिन ट्रम्प कहते हैं कि वे सबसे अच्छे लोगों को नियुक्त करते हैं, अगले ही दिन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल से 100 से अधिक विशेषज्ञों को निकाल दिया जाता है, जबकि उनमें से कई तो कुछ सप्ताह पहले ही भर्ती किए गए थे।यही बात इलॉन मस्क के बारे में भी कही जा सकती है। एक दिन वे वर्जीनिया गोल्फ क्लब में अपने मीमकॉइन के सबसे बड़े खरीदारों के लिए समारोह आयोजित करते हैं, जिन्होंने प्रेसिडेंशियल सील के पीछे खड़ा होकर उनकी बात सुनने का मौका पाने के? लिए 148 मिलियन डॉलर खर्च कर दिए थे। और व्हाइट हाउस

प्रवक्ता का कहना है कि यह भ्रष्टाचार नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति ने अपने निजी समय में इस आयोजन में हिस्सा लिया था।ट्रम्प फिलहाल अपनी निजी सनकों के आधार पर राज कर रहे हैं। उनकी सरपरस्ती में सरकारी एजेंसियों के बीच बहुत कम या नगण्य तालमेल नजर आता है। वे प्राधिकार की किसी वास्तविक सीमा का सम्मान नहीं करते, जिसमें उनके गोल्फ के साथी (स्टीव विट्कॉफ) विदेश मंत्री की तरह काम करने लगते हैं और उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो पनामा में उनके राजदूत की भूमिका निभाने लगते हैं।जो भी उन्हें रोकने की कोशिश करता है, वे उसे कोर्ट में जाने के लिए मजबूर करते हैं। उनकी कार्यशैली ऐसी है कि कानूनी जिम्मेदारियों और निजी समृद्धता के बीच की मर्यादाएं गड्डमड्ड हो गई हैं। यह सब हमें क्या बताता है? यह नहीं कि हम एक पारम्परिक अमेरिकी प्रशासन द्वारा शासित नहीं हो रहे हैं। बल्कि यह कि हम पर ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन इनकॉर्पोरेशन का राज है!अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ और सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।पहले कार्यकाल में उन्होंने अराजकतापूर्ण शैली से ही सही, लेकिन मानकों के अनुरूप शासन किया था। लेकिन दूसरे कार्यकाल में वे बिना किसी रोकटोक के अमेरिकी सरकार को इस तरह से चला रहे हैं, जैसे कि वे अपनी निजी कम्पनी को चला रहे हों। केवल बाजार और अदालतें ही उन्हें रोकने में सक्षम हैं। इसमें बहुत हद तक डेमोक्रेट्स की अपनी कमजोरी का भी योगदान है।पद सम्भालने के कुछ ही हफ्तों बाद ट्रंप ने ऑटो इंडस्ट्री से कोई गंभीर सलाह-मशविरा किए बिना ही ग्लोबल टैरिफ की कई घोषणाएं कर दीं। इसी बीच, उन्हें पता चला कि लोकप्रिय फोर्ड एफ-150 के केवल एक-तिहाई पुर्जे ही अमेरिका में बनते हैं और इन्हें कभी भी बहुत जल्दी नहीं बदला जा सकता। टैरिफ घोषणाओं से ऑटो इंडस्ट्री को बड़ा धक्का पहुंचा और फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलेंटिस जैसी कंपनियों ने घोषणा की कि टैरिफ को लेकर असमंजस और सप्लाई-चेन गड़बड़ाने की संभावना के चलते वे इस साल की शेष अवधि के लिए आय के पूर्वानुमान नहीं बता सकतीं। फिर जैसा कि पूर्वानुमान था, चीन ने ट्रम्प द्वारा 145 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर प्रतिक्रिया दी। टाइम्स के बीजिंग संवाददाता कीथ ब्राडशर ने अपनी हाल की रिपोर्ट में बताया है कि बीजिंग ने अचानक से रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात रोक दिया है, जो अमेरिका में निर्मित होने वाली कारों, ड्रोन्स, रोबोट और मिसाइल में काम आता है। अब ट्रम्प यदि चीन पर लगाए टैरिफ पर कोई सौदेबाजी नहीं कर पाते हैं तो अमेरिकी कार फैक्ट्रियों को आगामी दिनों या हफ्तों में उत्पादन में कटौती करना पड़ सकती है। आपको क्या लगता है इस बात की कितनी सम्भावना है कि ट्रम्प ने चीन पर टैरिफ लगाने के बाद होने वाले परिणामों से निपटने के बारे में पहले से सोच लिया होगा? मैं शर्तिया कहता हूं कि कतई नहीं। उन्होंने बस मनमानी की है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो

सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है।इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

साइबर अपराधों से निपट नहीं पा रही है पुलिस

साइबर अपराध से कैसे निपटें? 12 राज्यों का पुलिस आधुनिकीकरण बजट शून्य है। केवल 2फीसदी शिकायतों में चार्जशीट दर्ज होती है। इस मानसून सत्र में सांसदों ने बढ़ते साइबर अपराधों की समस्या को

गंभीर रूप से उठाया। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट के अनुसार तीन दर्जन से अधिक सवाल पूछे गए। सवाल यह है कि इनसे निपटने के लिए हमारे पास कितनी तैयारी है? जैसे-जैसे डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल बढ़ा है, उससे कहीं तेजी से साइबर अपराधों की दर में वृद्धि हुई है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'नेशनल साइबर रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म' (एनसीआरपी) के अनुसार 2021 से 2025 के बीच साइबर अपराधों में 900फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। इनमें अधिकांश मामले फ्रॉड के होते हैं। वर्ष 2022 में दर्ज 65,893 केसों में से 65फीसदी केस 42,770 फ्रॉड के थे। साइबर फ्रॉड की समस्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विकराल रूप धारण कर चुकी है। जनवरी 2025 में आई रिपोर्ट में 'ग्लोबल एंटी-स्कैम एलायंस' के अनुसार पिछले एक वर्ष में साइबर ठगों ने वैश्विक स्तर पर 1 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 87 हजार अरब रुपए) से अधिक की राशि हड़प ली। कई देशों को उनकी जीडीपी के 3फीसदी से अधिक का नुकसान हुआ है। भारत की बात करें तो गृह मंत्रालय के अधीन गठित 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' (आई4सी) का अनुमान है कि देश में साइबर फ्रॉड से एक साल में लोगों को 1.2 लाख करोड़ का नुकसान हो सकता है। यह रकम देश की जीडीपी के 1फीसदी से थोड़ी ही कम है। इसमें से अधिकांश पैसा देश से बाहर चला जाता है। एनसीआरपी पर वर्ष 2022 में 10.30 लाख लोगों ने शिकायत की। इनमें से केवल 6फीसदी यानी 66 हजार मामलों में ही एफआईआर दर्ज हुई। जिन 94फीसदी मामलों में प्राथमिकी दर्ज नहीं हो सकी, उनकी वजहों की जानकारी कोई भी सरकारी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराता। दर्ज हुए 66 हजार मामलों में से केवल 30फीसदी से कम में चार्जशीट दाखिल हो सकी। ये 20 हजार चार्जशीट एनसीआरपी पोर्टल पर आई 10.30 लाख साइबर फ्रॉड की शिकायतों का 2फीसदी से भी कम है। दूसरे अपराधों के मुकाबले साइबर अपराधों में पुलिस जांच और चार्जशीट की दर आधे से भी कम है। एनसीआरपी की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2022 में आईपीसी के तहत दर्ज अपराधों में से 71फीसदी में चार्जशीट दाखिल की गई।

इसी वर्ष दर्ज हुए साइबर क्राइम में 30फीसदी अपराधों में चार्जशीट फाइल की गई। साइबर अपराधों में जांच पूरी कर चार्जशीट फाइल न होने की वजह पुलिस के पास अत्याधुनिक क्षमता न होना है। पुलिस आधुनिकीकरण बजट वर्ष 2020-21 (683 करोड़ रुपए) के मुकाबले वर्ष 2021-22 में (562 करोड़ रुपए) 121 करोड़ रुपए कम हो गया। इस दौरान 12 राज्यों के लिए पुलिस आधुनिकीकरण बजट का आवंटन शून्य रहा। तमिलनाडु, हरियाणा और गोवा को बजट मिला, लेकिन उन्होंने इसमें से कुछ भी खर्च नहीं किया। इस बजट के राष्ट्रीय उपयोग का औसत केवल 47फीसदी रहा। पुलिस जांच में साइबर क्राइम के केस- गैर-संज्ञेय अपराध, अंतिम रिपोर्ट में झूठे तथ्य मिलना, तथ्य या कानून की गलती अथवा सिविल केस होना, केस सही होना लेकिन अपर्याप्त सबूत या कोई सुराग न मिलना और जांच के दौरान खत्म होने वाले मामले- इन तमाम श्रेणियों में रफा-दफा किए गए। वर्ष 2022 में इन श्रेणियों के तहत निपटाए गए कुल मामलों की संख्या 44,945 थी, जिनमें से कोई सुराग या सबूत न मिलने के चलते 40,614 केस बंद किए गए। यानी 90फीसदी केसों को सबूत न मिलने के चलते बंद किया गया। ये आंकड़े जांच प्रणाली की क्षमता पर ही प्रश्नचिह्न लगाते हैं। देश के 11 राज्यों में साइबर क्राइम के ज्यादा केस पाए गए हैं; और इनमें भी महाराष्ट्र-यूपी में सबसे ज्यादा हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहलेखक भारत सिंह हैं,वलय सिंह)

विपक्षी दलों में भी कुछ अच्छे चेहरे उभरकर सामने आए हैं

पहलगाम के बाद जो हालात बने, उन्होंने भारत में विभिन्न दलों में उभर रहे नए नेतृत्व को सामने ला दिया है। ऑपरेशन सिंदूर पर 'ग्लोबल-आउटरीच' के लिए सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले या इसका हिस्सा रहे अधिकांश लोग काफी समय से राजनीति के क्षेत्र में हैं।वे अपनी-अपनी पार्टियों में नेतृत्व की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेता रहे हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे कुछ ने तो अपनी पार्टियों का नेतृत्व भी किया है।

लेकिन पिछले हफ्तेभर में जिस तरह से उन्होंने विश्व की राजधानियों में भारत की पोजिशन को स्पष्ट शब्दों में सामने रखा, उससे देश ने अचानक उन्हें नई नजर से देखा है। इसने भारत की संसद में मौजूद प्रतिभा को भी रेखांकित किया है।देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। इस आउटरीच-कार्यक्रम की अन्य उपलब्धियां चाहे जो हों, लेकिन इतना तो तय है कि इसने भारत में एक नए राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है।इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त किया। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- ने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया।यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना यूबीटी) ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि कृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं।कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने हमलों का भारत द्वारा करारा जवाब देने के बारे में बात की। मनीष तिवारी ने पाकिस्तान को चेताया कि अगर उसने आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद नहीं किया, तो भविष्य में भारत की प्रतिक्रिया बहुत तीखी होगी।इस तरह की कवायद से स्वाभाविक ही सरकार को फायदा होता है, क्योंकि पूरा राजनीतिक वर्ग पहलगाम के बाद सरकार की पोजिशन को भारत की पोजिशन मानकर उसका बचाव कर रहा था। यदि सर्वदलीय समूहों ने 33 देशों (और वहां बसे भारतीय प्रवासियों) तक कोई एक शक्तिशाली संदेश पहुंचाया तो वो यह था कि आतंकवाद और पाकिस्तान के मुद्दे पर भारत एकजुट है, जबकि पाकिस्तान आतंकवादी हमले के माध्यम से देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहा था।जम्मू और कश्मीर भी शेष भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा। विपक्ष को भी इस कवायद से फायदा हुआ है, क्योंकि उसके नेता सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं की तुलना में अधिक उभरकर सामने आए हैं- चाहे वे कांग्रेस से डॉ. शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा हों। या अन्य दलों से असदुद्दीन ओवैसी, सुप्रिया सुले या कनिमोझी।जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता। भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी। हालांकि अधिकांश देशों ने पहलगाम आतंकवाद की निंदा की, लेकिन शायद ही कोई देश पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर भारत के साथ खड़ा हुआ।भारत का सदाबहार मित्र रूस भी दोनों तरफ से खेलता हुआ नजर आया। लेकिन कुछ देशों के साथ मुद्दों को सुलझाने के लिए ट्रैक-टू प्रयासों में भारत की अनुभवी और मुखर आवाजों का उपयोग करने की गुंजाइश आगे भी बन सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं ने दिखाया है कि अगर उन्हें ऐसी भूमिका निभाने के लिए कहा गया तो वे पीछे नहीं रहेंगे।पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद (कांग्रेस) ने तो एक कदम आगे बढ़कर अनुच्छेद 370 को हटाने तक का समर्थन किया। उन्होंने कहा अनुच्छेद 370 से यह धारणा बनती थी कि कश्मीर अलग है। इससे उनकी अपनी पार्टी में नाराजगी पैदा हो गई, जिसने इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपनाया है।डॉ. शशि थरूर तो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के स्टार के रूप में उभरे। जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करके और आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के इस न्यू-नॉर्मल की सराहना करके खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन उनकी पार्टी इससे नाराज है और अब उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में सवाल पूछे जाने लगे हैं।देश ने विभिन्न विपक्षी दलों के इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। एक नया राजनीतिक नेतृत्व उभरता नजर आया है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

'दुनिया की छत' पर चीन की हरकतें सबके लिए खतरनाक

तिब्बत के पठार पर विशाल ग्लेशियल-रिजर्व्स हैं, जो दुनिया में ताजे पानी के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। यह दस प्रमुख एशियाई नदी-प्रणालियों का उद्गम भी है- जिनमें चीन की येलो और यांग्त्से, दक्षिण-पूर्व एशिया की मेकांग, साल्विन और इरावदी और भारत की सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियां शामिल हैं।ये वैश्विक आबादी के लगभग 20इ हिस्से को पानी की आपूर्ति करती हैं। लेकिन आज यही पठार एक आसन्न पर्यावरणीय संकट का साक्षी बन रहा है, जो पूरे एशियाई महाद्वीप की जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन और भू-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डाल सकता है।पिछले दो दशकों से चीन तिब्बती पठार पर केंद्रित एक आक्रामक बांध निर्माण अभियान में लगा हुआ है। चीन की सरकार ने इसके निचले हिस्से के किसी भी देश के साथ जल-साझाकरण संधि पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। इससे इन देशों को चीन की सनक के परिणाम भुगतने होंगे। पठार की सीमा के पास चीन द्वारा निर्मित भीमकाय-बांधों ने पहले ही मेकांग नदी में पानी के स्तर को अभूतपूर्व रूप से कम कर दिया है, जिसका कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम में मत्स्य-पालन और आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।जैसे-जैसे दक्षिणी वियतनाम में मेकांग डेल्टा पीछे हट रहा है, चावल के किसानों को पारंपरिक आजीविका छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फिर भी चीन की बांध बनाने की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यांग्त्से नदी पर बना थ्री गॉर्जेस डैम दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।लेकिन वह भी चीन द्वारा तिब्बती पठार के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (उसे वहां यारलुंग जंगबो कहा जाता है) पर बनाए जा रहे बांध के सामने बौना साबित होगा। अगर यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह में भारी बदलाव आएगा, क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को खतरा होगा और निचले इलाकों के देशों पर चीन का भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। पानी के हथियारीकरण का खतरा मंडरा रहा है।दरअसल, पानी तेजी से नया तेल बनता जा रहा है- यानी ऐसा रणनीतिक संसाधन, जो संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है। देशों के भीतर और उनके बीच पानी के विवाद पहले ही तेज होते जा रहे हैं। चीन की नजर तिब्बत की खनिज-समृद्ध भूमि- जिसमें लीथियम, सोना, तांबा जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं- पर भी है। वह वहां पर जंगलों की कटाई कर रहा है और विषाक्त उत्सर्जन में योगदान दे रहा है। उसकी ये तमाम गतिविधियां तिब्बती पठार के सैन्यीकरण के लिए कवर प्रदान कर रही हैं।चीन वहां पर जो विनाश-लीला कर रहा है, उसके पूरे ब्योरे जानना असंभव है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नजरों से बहुत दूर है, और स्थानीय तिब्बती समुदायों की आवाजों को दबा दिया जाता है। इस सबसे वहां का पारिस्थितिक तंत्र लगातार कमजोर होता जा रहा है। तिब्बती पठार वैश्विक औसत से दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और उसकी बर्फ ध्रुवों की तुलना में तेजी से पिघल रही है। इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। तिब्बती पठार एशियाई जलवायु, मौसम और मानसून के पैटर्न को गहराई से प्रभावित करता है। इसका क्षरण सूखे और बाढ़ को बढ़ाएगा, जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाएगा, कृषि के पतन में योगदान देगा और एशिया और उसके बाहर बड़े पैमाने पर पलायन को बढ़ावा देगा।इन तमाम जोखिमों के बावजूद वैश्विक जलवायु मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं तक- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बत को लेकर पूरी तरह से चुप है।इसका कारण अज्ञानता नहीं, बल्कि डर है। क्योंकि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल 'दुनिया की छत' पर अपनी गतिविधियों की सार्थक आलोचना को दबाने के लिए करता है। जबकि दुनिया के देशों को तिब्बती पठार पर चीन की गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता के लिए लगातार दबाव डालना चाहिए। विशेष रूप से, चीन को अपने रियल-टाइम हाइड्रोलॉजिकल डेटा को साझा करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए और उसे अपनी परियोजनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।स्वतंत्र पर्यावरण शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पठार तक बेरोकटोक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। चीन को तिब्बतियों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 2000 से लगभग दस लाख तिब्बतियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित किया गया है।

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोले- ट्रम्प अपना फायदा देख रहे:पाकिस्तान पर मेहरबानी की वजह फैमिली बिजनेस, इसलिए भारत से रिश्ते बिगाड़े

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने राष्ट्रपति ट्रम्प पर देश की बजाय अपना फायदा देखने का आरोप लगाया है। उन्होंने सोमवार को एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि ट्रम्प ने पाकिस्तान से फैमिली बिजनेस के लिए भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों को खराब किया है। सुलिवन ने कहा कि ट्रम्प के फैसले का नुकसान पूरे देश को भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने अपने निजी फायदे के लिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ये ट्रम्प की विदेश नीति का वो पहलू है जिसे अभी तक नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प, अमेरिका की विदेश नीति से अलग हटकर पाकिस्तान और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि अमेरिका हमेशा से भारत के साथ अच्छे रिश्ते रखना चाहता है। भारत से अच्छे रिश्ते बनाने में अमेरिका को फायदा है। जेक सुलिवन ने यूट्यूब चैनल मीडासटच से बातचीत में कहा कि अमेरिका कई सालों से भारत के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की कोशिश करता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और अमेरिका को उसके साथ तकनीक, टैलेंट, आर्थिक मामलों और दूसरे कई मुद्दों पर मिलकर काम करना चाहिए। इसके साथ ही चीन के रणनीतिक खतरों से निपटने के लिए भी भारत के साथ साझेदारी जरूरी है। सुलिवन ने कहा कि भारत के साथ संबंधों को खत्म करने का ट्रम्प का कदम अपने आप में एक बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान है, क्योंकि

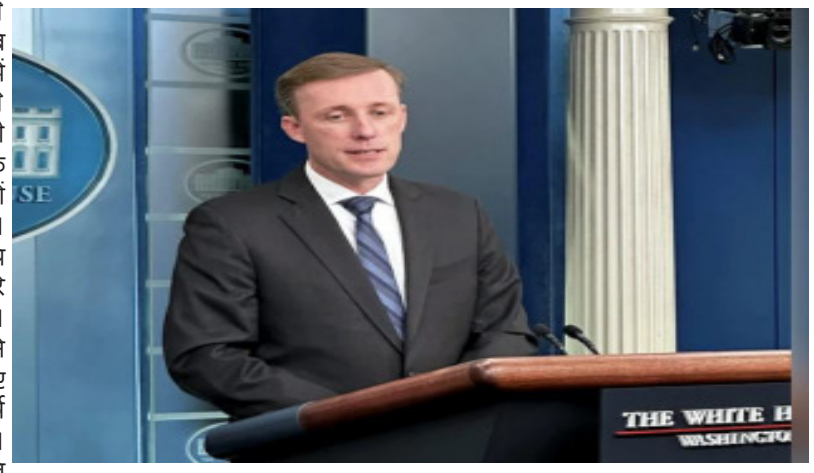

एक मजबूत अमेरिका-भारत संबंध हमारे हितों की पूर्ति करता है। उन्होंने कहा कि अब दुनिया का कोई भी देश अमेरिका पर निर्भर नहीं रह सकता और स्थिति को देखेगा। पाकिस्तान में 14 मार्च 2025 को पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल (पीसीसी) की स्थापना हुई थी। इसका मकसद देश को दक्षिण एशिया का क्रिप्टो हब बनाना था। अगले महीने 26 अप्रैल, यानी पहलगाम हमले के सिर्फ 4 दिन बाद पीसीसी ने ट्रम्प परिवार से जुड़ी कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ एक समझौता किया था। वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल में ट्रम्प परिवार (बेटे एरिक और ट्रम्प जूनियर और दामाद जेरेड कुशनर) की 60फीसदी हिस्सेदारी है। पाकिस्तान ने वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ ब्लॉकचेन तकनीक और क्रिप्टो को बढ़ावा देने का करार किया। कंपनी का दावा है कि वह पाकिस्तान में ब्लॉकचेन इनोवेशन, स्टेबलकॉइन और वित्तीय व्यवस्था को तेजी से लागू करने में मदद करेगी। पाकिस्तान जैसे देश के साथ समझौता होने का मतलब है कि करोड़ों लोगों वाले एक बड़े बाजार में इस कंपनी को एंट्री मिल गई। इस डील में पाकिस्तानी पीएम, सेना प्रमुख, डिप्टी पीएम, सूचना मंत्री, रक्षा मंत्री और वित्त मंत्री शामिल थे। वहीं, कंपनी की ओर से फाउंडर जैकरी फोकमैन और जैकरी विटकॉफ भी मौजूद थे। जैकरी मिडिल ईस्ट में ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ के बेटे हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जब पाकिस्तान ने डब्लूएलएफ के साथ ब्लॉकचेन और क्रिप्टो अपनाने का करार किया, तो इससे कंपनी को एक तरह की सरकारी मान्यता भी मिल गई। इससे उसके टोकन (डब्लूएलएफ) की वैल्यू तेजी से बढ़ी। रिपोर्टों के मुताबिक इस लॉन्च के बाद ट्रम्प परिवार की अरबों डॉलर की संपत्ति बढ़ गई, लेकिन ये फायदा सिर्फ पैसे तक सीमित नहीं है। यह एक राजनीतिक पूंजी भी है। पाकिस्तान में इस तरह की डील सीधे प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख के स्तर पर हुई। यानी ट्रम्प और उनका परिवार अब पाकिस्तान के साथ न सिर्फ कारोबारी बल्कि कूटनीतिक स्तर पर भी गहरा संबंध रखता है। इससे उन्हें अमेरिका के भीतर और बाहर दोनों जगह राजनीतिक फायदा मिलता है। खासकर चुनावों में यह दिखाने के लिए कि वे अमेरिका की कंपनियों और तकनीक को नए बाजारों में ले गए। इस समझौते के बाद से ट्रम्प का रुख भारत के लिए बदल गया। पाकिस्तानी बिजनेस में ट्रम्प परिवार की इस भागीदारी की वजह से सुलिवन समेत कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इसी करार की वजह से ट्रम्प, भारत के बजाय पाकिस्तान का पक्ष ले रहे हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान पर सिर्फ 19फीसदी टैरिफ लगा है। वहीं, टैरिफ के मसले को लेकर भारत और अमेरिका के बीच तनाव की स्थिति है। ट्रम्प ने भारत पर पहले 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे और ज्यादा बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। इसकी वजह से व्यापार काफी ज्यादा प्रभावित हुआ है। ट्रम्प का कहना है कि रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, चीन भी रूस से तेल खरीदता है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका ने उस पर एक्स्ट्रा टैरिफ नहीं लगाया है।

मंत्री बोलीं- राहुल-तेजस्वी को नहीं पता मां का दर्द,नितिन नवीन ने कहा- इस अपमान का बदला लेंगे, राहुल-तेजस्वी पर केस

पटना। वोटर अधिकार यात्रा के दौरान PM मोदी की मां को गाली देने के मामले में पटना के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में केस दायर किया गया है। इसमें राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी और

मो. रिजवी उर्फ राजा को अभियुक्त बनाया गया है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनीष कुमार उपाध्याय की अदालत में यह मुकदमा वकील अवधेश कुमार पांडे ने दाखिल किया गया है। मामले की सुनवाई आज बुधवार को होगी। मंत्री रेणु देवी ने कहा, 'अगर किसी की मां का कोई अपमान करता है तो उसे भगवान भी माफ नहीं करता। इन्हें सजा मिलेगी। हर व्यक्ति को अपनी मां का अपमान महसूस हुआ है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को क्या पता कि मां का दर्द क्या होता है।' मंत्री नितिन नवीन ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का देश के लोगों के साथ जिस प्रकार का जुड़ाव है। उन्होंने एक सेवक की तरह महिलाओं के लिए काम किया है... उस व्यक्ति को अपमानित करने का काम बिहार की धरती से किया गया। निश्चित तौर पर बिहार की सब मां और बेटे मिलकर नरेंद्र मोदी के इस अपमान का बदला लेंगे।' बिहार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, 'संसद में और बाहर मर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना हम सब की जिम्मेदारी है। संसद में जहां कानून बनता है वहां अगर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करके नारे लगाए जाएं तो इसपर गौर करने की जरूरत है। क्या आप लोकतंत्र की गरिमा को गिराना चाहते हैं।'तेज प्रताप यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि, पीएम बिहार आकर मोतिहारी चीनी मिल की चाय पीने की बात करते हैं, लेकिन आज तक एक भी चीनी मिल नहीं चली। उन्होंने विरोधियों पर भी जमकर निशाना साधा। वो मंगलवार को पटना से अरवल पहुंचे थे। वहां उन्होंने कहा कि कुछ बहुरूपिया और विरोधी मुझे घर की चारदीवारी में कैद करना चाहते थे, लेकिन, मैं घर में कैद होने वाला नहीं हूं। 101 डिग्री बुखार के बावजूद पटना से अरवल पहुंचा हूं। तेज प्रताप घर में बंद होगा? हम विरोधियों को घर में बंद कर देंगे। बिहार में अपराध पराकाष्ठा पर है और सरकार अपराधियों पर लगाम लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।मनेर की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि 10 साल की बच्ची से 50 वर्षीय बुजुर्ग ने दुष्कर्म कर उसे पेड़ से लटका दिया, लेकिन सरकार कार्रवाई करने में विफल रही। जनता संवाद के दौरान तेज प्रताप ने मंच से ड्रोन और रिमोट मंगवाकर समर्थकों की तस्वीरें खींचीं।निर्वाचन विभाग ने राज्य में 1200 मतदाताओं पर एक बूथ के हिसाब से 90,712 बूथों का गठन किया गया है। जिन बूथों पर मतदाताओं की संख्या बढ़ेगी, वहां अतिरिक्त मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। लेकिन मतदाताओं की संख्या कम होने पर बूथ हटाए नहीं जाएंगे। हर बूथ पर चार मतदान कर्मी तैनात होंगे। इस हिसाब से कुल 3,62,848 कर्मियों की तैनाती होगी। इनमें से 10फीसदी अतिरिक्त कर्मियों को रिजर्व में रखा जाएगा। इसके अलावा 36,285 रिजर्व कर्मियों को भी ट्रेनिंग दी जाएगी। यानी कुल मिलाकर 3,99,133 कर्मियों को जिलावार ट्रेनिंग दी जानी है। प्रत्येक बूथ पर एक पीठासीन पदाधिकारी होंगे, जिनके साथ पी-1, पी-2 और पी-3 नामित तीन मतदान कर्मी शामिल रहेंगे।पहली बार मतदान केंद्र पर मोबाइल रखने के लिए काउंटर बनाए जाएंगे। अब तक केंद्र पर मोबाइल ले जाने पर रोक थी और बाहर किसी परिचित को मोबाइल देना पड़ता था।1.08 लाख ईवीएम की जांच पूरी : राज्य के सभी जिलों में 1,08,855 ईवीएम (बीयू, सीयू और वीवीपैट सहित) की जांच पूरी कर ली गई है। सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारियों की राज्यस्तरीय ट्रेनिंग हो चुकी है और अब जिलों में प्रशिक्षण शुरू हो रहा है।

राहुल की बिहार यात्रा का फीडबैक लेंगे अमित शाह,आज दिल्ली में बैठक, सीट शेयरिंग,पीएम की मां को गाली, बिहार बंद पर होगी बातचीत

बिहार में एनडीए गठबंधन की सीट शेयरिंग को लेकर तस्वीर लगभग साफ मानी जा रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे के बाद विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीटों को लेकर गठबंधन दलों के बीच अंतिम सहमति बनने की बात कही जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) 102 और भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) यानी एलजेपी (आर) को 20, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (एचएएम) और उपेंद्र कुशवाहा के राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को 10-10 सीटें मिली हैं। फिलहाल सीटों के बंटवारे को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। संभावना जताई जा रही है कि एनडीए जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकता है। हालांकि कौन सी पार्टी किन सीटों पर लड़ेगी, इस पर मंथन चल रहा है। इस दौरान जेडीयू और ?बीजेपी में 1-2 सीटों का अंतर हो सकता है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 110 सीटों पर लड़ी थी, उसे 74 पर जीत मिली थी। वहीं जेडीयू 115 सीटों पर लड़ी थी और 43 सीटों पर जीती थी। सूत्रों के मुताबिक इस बार जदयू 102 और भाजपा 101 पर लड़ेगी। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 17, जेडीयू ने 16, एलजेपी ने 5 और जीतन राम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने एक-एक सीट पर चुनाव लड़ा था। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने जेडीयू से एक सीट ज्यादा पर चुनाव लड़ा था, लेकिन विधानसभा में जेडीयू, बीजेपी से एक-दो ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। बिहार के दरभंगा में 27 अगस्त को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां को गाली दी गई थी। इसके 7वें दिन मंगलवार को पीएम मोदी ने सामने आकर गाली देने का जवाब दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- बिहार में कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं, ये देश की मां-बहन, बेटी का अपमान

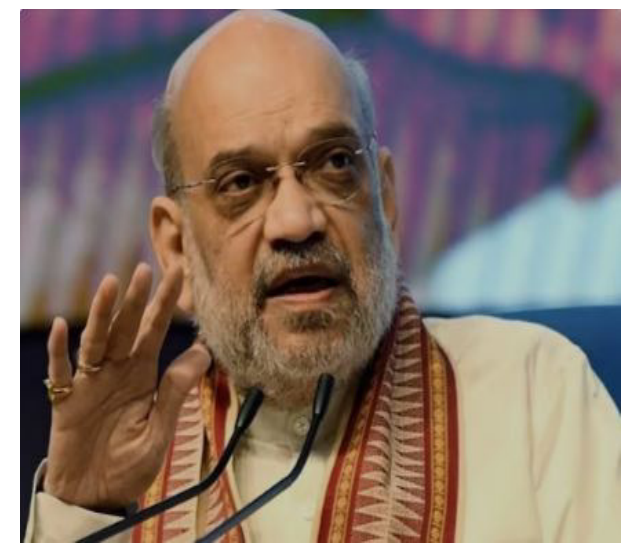

है। पीएम ये कहते हुए भावुक हो गए। उन्हें इमोशनल देख बिहार भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की आंखों में भी आंसू आ गए। मोदी की बात सुनकर बिहार राज्य जीविका निधि शाखा सहकारी संघ लिमिटेड के कार्यक्रम में आईं महिलाएं भी रोने लगीं। पीएम मोदी की मां को गाली देने के मामले में 4 सितंबर को एनडीए ने बिहार बंद बुलाया है। इसे लेकर आज बिहार के कई जिलों में नेताओं ने बैठक भी बुलाई है। मीटिंग में कल होने वाले बंद को लेकर चर्चा होगी। अमित शाह भी इस बंद को लेकर अपनी बैठक में एनडीए नेताओं से बात कर सकते हैं।16 दिन, 23 जिले, 1300 किमी और 67 विधानसभा सीटों से गुजरी महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा 1 सितंबर को पटना में खत्म हुई। इस दौरान राहुल गांधी ने वोटर वेरिफिकेशन को लेकर सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किए। राहुल और तेजस्वी सासाराम से निकले और पटना तक चले। वोट चोरी को मुद्दा बनाया। यात्रा खत्म हुई, लेकिन पीछे रह गया एक सवाल- इस यात्रा से क्या मिला।अमित शाह बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर भी बातचीत करेंगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं की तैयारी और जमीनी स्थिति की समीक्षा होगी। पीएम मोदी 13 सितंबर को पूर्णिया आएंगे। वे एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। यह 8 महीने में उनका सातवां बिहार दौरा होगा। इससे पहले वे 22 अगस्त को गयाजी, 18 जुलाई को मोतिहारी, 20 जून को सीवान, 29 मई को पटना, 24 अप्रैल को मधुबनी और 24 फरवरी को भागलपुर का दौरा कर चुके हैं।

दिल्ली में यमुना का पानी घरों में घुसा:10 हजार लोगों को हटाया; पूरे पंजाब में बाढ़, जयपुर में सरकारी अस्पताल में पानी भरा

नयी दिल्ली। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में तेज बारिश का दौर जारी है। पंजाब के सभी 23 जिलों में बुधवार को भी बाढ़ जैसे हालात हैं। 1200 से ज्यादा गांवों में पानी भरा है। अब तक 30 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। सभी स्कूल-कॉलेज की 7 सितंबर तक बंद करने का फैसला लिया गया है। हरियाणा में झज्जर, हिसार, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला के कई हिस्सों में 3-5 फीट तक पानी भरा है। यहां के 200 से ज्यादा स्कूल बंद हैं। अंबाला के सैकड़ों घरों में 2-4 फीट पानी भरा हुआ है। हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से 67 घंटे से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। इसके कारण दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान (205 मीटर) के ऊपर 206.80 मीटर पर बह रही है। नदी के पास बना लोहे का पुल बंद किया गया है। यमुना बाजार-तिब्बती बाजार, मोनेस्ट्री मार्केट में पानी भरा है। निचले इलाकों से 10 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। दिल्ली में स्कूल बंद रखे गए हैं।राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश जारी है। यहां के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएमएस में बारिश का पानी भर गया है। कोटा के दरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर लैंडस्लाइड हुई।उत्तर प्रदेश के नोएडा में यमुना के जलस्तर के बढ़ने से 1000 फार्महाउस में पानी भर गया है। यहां पानी में फंसे लोगों को रेस्क्यू कर बचाया गया। मथुरा में बाढ़ से करीब 900 परिवार प्रभावित हैं। आगरा में यमुना का पानी ताजमहल की बाउंड्री तक पहुंच गया। शहर के कई घाट और 8 श्मशान घाट पानी में डूब गए। हिमाचल प्रदेश में 1300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। पिछले 24 घंटे में 11 लोगों की मकान गिरने और लैंडस्लाइड में मौत हुई। आज सुबह कुल्लू में लैंडस्लाइड में 2 लोगों की मौत हो गई। कल शाम मंडी के सुंदरनगर में दो घरों पर लैंडस्लाइड हुई थी। हादसे में मरने वालों की संख्या 7 हो गई है। मलबे से 4 शव आज निकाले गए हैं। राज्य के 7 जिलों में स्कूल-कॉलेजों को बंद रखा गया है। मध्य प्रदेश में अब तक 970.28मिमी बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 104फीसदी है, जबकि अब तक 800.1मिमी बारिश होनी थी। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 939.8मिमी है। पिछले मानसूनी सीजन में औसत 1117.6मिमी बारिश हुई थी। बुधवार सुबह 6 बजे पोंग डैम का जलस्तर 1393.19 फीट दर्ज किया गया। डैम में पानी की आवक 1,60,183 क्यूसेक है, जबकि पानी का निकास 79,837 क्यूसेक किया जा रहा है। वर्तमान में डैम में पानी आने की गति, निकासी की तुलना में लगभग दोगुनी है। इससे डैम में लगातार जलस्तर बढ़ने की स्थिति बनी हुई है। बुधवार सुबह 6 बजे भाखड़ा डैम का जलस्तर 1677.84 फीट दर्ज किया गया। डैम में पानी की आवक 86,822 क्यूसेक है, जबकि निकास 65,042 क्यूसेक किया जा रहा है। आवक और निकासी में अंतर होने से जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना बनी हुई है, हालांकि फिलहाल यह खतरे के निशान से कुछ फीट नीचे है।

कर्नाटक के जंगलों में मिली रूसी महिला का सच क्या,बोली- बस बेटे से मिलवा दो और घर लौट जाऊंगी; कौन है खुफिया इजराइली

उत्तर कन्नड़। 9 जुलाई की बात है। कर्नाटक में उत्तर कन्नड़ जिले के घने जंगलों में पुलिस की टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान जंगल में उन्हें कुछ कपड़े टंगे दिखे।

पुलिस वहां पहुंची तो एक विदेशी बच्ची गुफा से दौड़कर बाहर निकली। थोड़ी देर बाद एक महिला भी बाहर आई। पता चला कि महिला, दो बेटियों और एक बेटे के साथ घने जंगलों के बीच एक गुफा में कई महीनों से रह रही है। पुलिस ने अंदर देखा तो गुफा की दीवारों पर पेंटिंग बनी थी और संस्कृत के श्लोक लिखे थे। सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने महिला और उसके बच्चों को गुफा से बाहर निकाला। इनके रेस्क्यू के बाद पुलिस ने दो बड़े दावे किए। पहला, महिला कुटीना नीना ल्यादिमिरोना रूस की रहने वाली है और 9 साल पहले उसका वीजा खत्म हो गया था। तब से वो भारत में अवैध तरीके से रह रही है। दूसरा दावा ये किया कि महिला का पति इजराइली बिजनेसमैन है। हालांकि, कुटीना इन दावों को गलत बताती हैं। वे कहती हैं कि उनका वीजा खत्म हुए सिर्फ 9 महीने हुए हैं। वहीं इजराइली बिजनेसमैन उनका पति नहीं है। रूसी महिला ने इसे लेकर एक न्यूज़ पोर्टल ने बात की और बताया डिटेंशन सेंटर में बात करने की परमिशन नहीं थी, इसलिए हमने मैसेज पर बात की। कुटीना जानी-मानी इंटीरियर डिजाइनर रही हैं। पिछले 15 सालों से वो दुनिया के करीब 20 देश घूम चुकी हैं। फिर ऐशो-आराम की जिंदगी छोड़कर उन्हें जंगल में रहने की क्या जरूरत पड़ी। रेस्क्यू किए जाने के बाद से वो और उनके बच्चे कहां है और वो क्या कर रहे हैं।कुटीना नीना के 4 बच्चे हैं। सबसे बड़ा बेटा दीमा 20 साल का था और रूस में ही रह रहा था। सितंबर 2024 में रूस में ही उसकी मौत हो गई। कुटीना बाकी 3 बच्चों के साथ कर्नाटक के जंगलों में रह रही थीं। इनमें दो बेटियां और एक 11 साल का बेटा है। रेस्क्यू के बाद कुटीना और उनकी दोनों बेटियों को तुमकुर की डिब्बूर कॉलोनी में वुमन फॉरेन नेशनल डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। ये बेंगलुरु से करीब 80 किमी दूर है। उनके 11 साल के बेटे को अलग गोवा के चाइल्ड होम में रखा गया है। सेंटर में रखे जाने के बाद से कुटीना और उनकी बेटियां परेशान हैं। कुटीना कहती हैं,-'पहले हम जंगल में प्रकृति के बीच रह रहे थे। अब यहां हमें विटामिन की कमी हो रही है। बच्चियां बार-बार बीमार पड़ रही हैं। बेटे को दूसरे सेंटर में रखा गया है। हम उससे मिल भी नहीं सकते। वो मेरे बिना नहीं रह सकता है। मैंने सेंटर के अधिकारियों से शिकायत भी की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।' 'बेटे से कोई कॉन्टैक्ट नहीं रह गया है। उसे काफी दूर एक चाइल्ड होम में रखा है। फोन भी ले लिया है। उसकी याद में मैं सो तक नहीं पा रही। खाने की इच्छा खत्म हो गई है। हर समय बस रोती रहती हूं। जंगल में हमारी जिंदगी बहुत खुशहाल थी। यहां आकर हम सिर्फ दुखी और परेशान हैं। हमने कोई क्राइम नहीं किया है। हमें आजाद किया जाए। हमें एक मौका दिया जाए। हम अपने डॉक्यूमेंट जल्द पूरे कर लेंगे।' वे आगे बताती हैं, 'हमें जब इस सेंटर पर लाया गया था, तब वादा किया कि बेटे को हमारे पास ही रखा जाएगा। हमसे ये भी कहा गया

था कि दो या ज्यादा से ज्यादा तीन दिन में हम यहां से निकल जाएंगे। अब यहां कैद हुए डेढ़ महीने बीत चुके हैं, लेकिन न बेटा मिला न हम आजाद हुए।'रूस कब छोड़ा? इसके जवाब में कुटीना बताती हैं, 'मुझे रूस छोड़े 15 साल हो गए। मैं अलग-अलग देशों में घूम रही हूं और वहां के बारे में जान रही हूं। रूस में मेरा परिवार रहता है।' परिवार के बारे में पूछने पर बताती हैं, 'मेरे दादा इंजीनियर थे। वो रूस में हाई वोल्टेज पावर लाइन के लिए बनी टीम के मेंबर थे। दादी हिस्ट्री की प्रोफेसर थीं। मां भी टीचर रहीं।' 'मैं खुद इंटीरियर डिजाइनर हूं, लेकिन मुझे नेचर से प्यार है और आर्ट का शौक है। मुझे वीडियो शूट करना और एडवेंचर बहुत पसंद है। इसलिए मैंने पिछले 15 सालों में 20 से ज्यादा देश घूम लिए। इस दौरान जंगल के बीच हमने काफी वक्त गुजारा और नए अनुभव मिले। इसे हमने कैमरे में भी कैद किया है। अब उसे एक डॉक्यूमेंट्री का रूप दे रही हूं। इसे जल्द ही पूरी दुनिया के सामने लाना चाहती हूं।' 'मेरे सभी बच्चे अलग-अलग देशों में पैदा हुए। सबसे छोटी बेटी एमा इंडिया में हुई। वो भारत को ही अपना घर समझती है। वो 4 साल की हो चुकी है। उससे बड़ी प्रेमा साई 6 साल की है, जबकि बेटा लुचेजर 11 साल का हो चुका है।' 'सबसे बड़ा बेटे दीमा रूस में पैदा हुआ था। 20 साल की उम्र में ही उसने अपना बिजनेस शुरू कर लिया था, लेकिन पिछले साल सितंबर में उसकी मौत हो गई। हमने उसकी अस्थियां अपने साथ ही एक बैग में रखी थीं। पुलिस ने हमें वो अब तक नहीं सौंपी हैं। मेरे लिए वो बहुत कीमती है। मैं कई बार उसके बारे में पूछ चुकी हूं, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।आप पहली बार भारत कब और कैसे पहुंचीं, यहां किन-किन जगहों पर रहीं? इस पर कुटीना बताती हैं, 'मैं पहली बार भारत 2017 में बिजनेस वीजा पर आई थी। तब मैं अपने 3 साल के बेटे लुचेजर के साथ अकेले थी। यहां करीब 9 महीने गोवा के आस-पास के जंगलों में रही। हम कभी वहां से बाहर किसी सोसाइटी या मार्केट में नहीं गए।' 'लुचेजर जंगल की लाइफ में बिल्कुल ढल गया था। वो पेड़ों पर चढ़ता, एक डाल से दूसरी डाल पर कूदता-फांदता और तालाब-झील में तैरता था। हम यहां बिना किसी सुख-सुविधाओं के नेचर की गोद में रहे। ये हमारी जिंदगी का सबसे अलग और सबसे अनोखा अनुभव था। करीब 9 महीने बाद

नवंबर 2017 में हमने जंगल छोड़ा।''हमारे डॉक्यूमेंट एक्सपायर हो रहे थे इसलिए हमें रूस लौटना था। फिर यहां से लौटने के बाद हम नेपाल, यूक्रेन और कोस्टारिका घूमे। 2019 में हम फिर भारत लौटे। इस बार हम 5 साल का ई-टूरिस्ट वीजा लेकर इंडिया आए थे, ताकि लंबे समय तक यहां रह सकें। इसी दौरान मेरी सबसे छोटी बेटी एमा हुई।' 'इसके बाद हमने कर्नाटक में गोकर्ण जंगल में घर बनाया। हम यहां कम से कम 12 महीने रहना चाहते थे, ताकि भारत के सभी मौसम अनुभव कर सकें। इस बार मैं जंगल में अपने 3 बच्चों के साथ पहुंची। तब मेरी छोटी बेटी एमा 3 महीने की थी। बड़ी बेटी एक साल से थोड़ी ज्यादा की और बेटा लुचेजर 6 साल का हो चुका था।' 'इसी बीच कोविड का दौर शुरू हो गया। ऐसे में कहीं आना-जाना मुश्किल था। कोविड गाइडलाइंस में रियायतों के बाद हम डॉक्यूमेंट्स रिन्यू कराने में लग गए। इससे पहले बड़े बेटे की मौत हो गई। इसी समय हमारा वीजा एक्सपायर हो गया और यूक्रेन के रूसी दूतावास से 5 साल के लिए जारी विदेशी पासपोर्ट भी।' 'इन सब वजहों से हम भारत से बाहर नहीं जा सके। लिहाजा हम जंगल में ही रहने लगे। अभी हमारा वीजा एक्सपायर हुए 9 महीने ही बीते थे। हमने जंगल में कभी किसी जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाया। हम खुशी से यहां रह रहे थे, लेकिन पुलिस हमें अपने साथ ले गई। हमारे बारे में मीडिया में गलत खबर आईं।'कुटीना आगे कहती हैं, 'अभी हमें जहां पर रखा गया है, वहां अच्छा खाना भी नहीं मिल रहा। बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। मेरे साथ रहने वाली दूसरी विदेशी महिलाएं भी परेशान हैं। हमारे साथ अच्छा व्यवहार नहीं हो रहा है। हमें बेटे से भी अलग कर दिया गया है। हमारे पास 9 महीने से वीजा-पासपोर्ट नहीं है। इस गलती के लिए भारत सरकार

से माफी भी मांगने को तैयार हैं। जो फाइन लगेगा, वो भी देने के लिए तैयार हैं।' 'हम रूस लौटने के लिए अपनी टिकट खुद करा सकते हैं। इसलिए भारत सरकार से हमारी मांग है कि हमें यहां से जल्द से जल्द रिहा किया जाए। बेटे से मिलने दिया जाए, लेकिन मुझे इसके बाद भी मदद नहीं मिल रही है।'रूसी महिला और उसके बच्चों के रेस्क्यू को लेकर उत्तर कन्नड़ के एड एम. नारायण ने मीडिया से कहा था कि 9 जुलाई को हमें गुफा के आसपास जहरीले सांप भी दिखे थे। जिस जगह पर ये गुफा है वहां लैंडस्लाइड का खतरा रहता था। पिछले साल भी यहां आसपास ही लैंडस्लाइड हुई था। ऐसे में महिला का बच्चों के साथ रहना सेफ नहीं है। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने कहा था कि महिला 2016 में बिजनेस वीजा पर भारत आई थी। वीजा करीब 8 साल पहले ही खत्म हो गया था। तब से वो अवैध तरीके से भारत में रह रही थी। इसके करीब एक हफ्ते बाद मीडिया में एक इजराइली नागरिक गोल्डस्टीन ने दावा किया कि वो कुटीना का पति है। गोल्डस्टीन का ये भी दावा है कि करीब 8 साल पहले वो कुटीना से गोवा में मिला था। दोनों में प्यार हो गया। ये बच्चे उसके हैं। वो बच्चों से मिलने के लिए कानूनी मदद मांग रहा है। गोल्डस्टीन के दावों पर जब हमने कुटीना से पूछा तो जवाब मिला, 'वो मेरा पति नहीं है। हमने कभी शादी नहीं की। न ही वो मेरे किसी बच्चे का पिता है। उससे मेरी पहचान जरूर है।''वो बस मुझे और मेरे बच्चों को परेशान कर रहा है। वो हमारे लिए फैसले लेना बंद करे। हम उससे दूर ही रहना चाहते हैं। उसके पेरेंट्स काफी अमीर हैं। वो मनचाही चीजें पाने का आदी हो चुका है। उसकी जिद की वजह से हमारी पूरी जिंदगी बर्बाद हो रही है। अब एक महीने से ज्यादा समय से हम डिटेंशन सेंटर में हैं। हमारी कोई मदद नहीं कर रहा।'इसके बाद हमने बेंगलुरु के तुमकुर के डिब्बूर स्थित डिटेंशन सेंटर फॉर वुमन फॉरेन नेशनल के अधिकारियों से संपर्क किया। फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस में हमारी बात एक सीनियर अधिकारी से हुई। उन्होंने अपना नाम जाहिर न करने की शर्त पर रूसी महिला और उसके बच्चों के बारे में जानकारी दी। वो कहते हैं, 'रूसी महिला इस समय तुमकुर सेंटर पर है। उसकी दोनों बेटियां भी साथ में हैं, लेकिन बड़ा बेटा अलग जगह है। दरअसल वुमन सेंटर पर 8 साल से कम उम्र के लड़के को रखने की इजाजत होती है। जबकि वो 11 साल का है इसलिए उसे चाइल्ड होम में रखा है। हम नियम-कानून से बंधे हैं, इसलिए इस मामले में कोई मदद नहीं कर पा रहे हैं।' इन्हें वापस कब भेजा जाएगा? इस पर अधिकारी ने बताया,-'आने वाले समय में इन्हें रूस जरूर भेजा जाएगा, लेकिन अभी कुछ कानूनी अड़चनें आ रही हैं। असल में इजराइली मूल के नागरिक गोल्डस्टीन ने एक याचिका डाली है। इसमें दावा किया है कि वो महिला के बच्चों का पिता है।' 'उसने कहा है कि मेरे बच्चों और परिवार को भारत से बाहर न भेजा जाए। यानी बिना वेरिफिकेशन कराए उन्हें डिपोर्ट न किया जाए। उसने ये भी दावा किया है कि वो लड़के का बॉयोलॉजिकल फादर है। अब इस कानूनी प्रक्रिया में समय लग रहा है। इसलिए डिपोर्ट करने में देरी हो रही है।

नया बखेड़ा

एक्टर पवन सिंह समेत 4 फिल्म प्रॉड्यूसर्स पर एफआईआर,वाराणसी के कारोबारी से 1.5 करोड़ ठगे, पैसे मांगने पर हत्या की धमकी दी

वाराणसी। भोजपुरी एक्टर और सिंगर पवन सिंह समेत 4 लोगों पर वाराणसी के कैंट थाने में ईंदर्ज की गई है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर हुई। 19 अगस्त को होटल व्यवसायी विशाल सिंह की अर्जी पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने केस दर्ज करने का आदेश दिया था। 14 दिन बाद मुकदमा लिखा गया है।होटल व्यवसायी ने पवन सिंह, प्रेमशंकर राय, उनकी पत्नी सीमा राय समेत 4 पर डेढ़ करोड़ रुपए की ठगी करने का आरोप लगाया था। यह भी कहा कि पैसे मांगने पर हत्या की धमकी दी गई है। पुलिस ने बैंक अकाउंट, फिल्म फंडिंग समेत पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। जल्द ही पवन सिंह का बयान लिया जाएगा। पीड़ित विशाल सिंह ने बताया, 2017 में महाराष्ट्र निवासी प्रेमशंकर राय और उनकी पत्नी सीमा राय ने खुद को फिल्म निर्माता बताकर संपर्क किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भोजपुरी फिल्म में निवेश से मोटा मुनाफा होगा। उत्तर प्रदेश सरकार से सब्सिडी भी वापस मिल जाएगी। इसके बाद उनकी मुलाकात भोजपुरी स्टार पवन सिंह से कराई गई। निवेश

का दबाव बनाया गया। झांसे में आकर पीड़ित ने अपनी और अपने भाई की फर्म से करीब 32.60 लाख रुपए अलग-अलग खातों में जमा किए। जुलाई 2018 में होटल में हुई एक बैठक में आरोपियों ने कंपनी के लेटर हेड पर एग्रीमेंट तैयार कर व्यवसायी को फिल्म का निर्माता घोषित किया। 50फीसदी मुनाफा देने का वादा किया। इसके बाद 'बॉस' नामक फिल्म की शूटिंग शुरू हुई। व्यवसायी का दावा है कि उसने फिल्म में करीब 1.25 करोड़ रुपए और निवेश किए। लेकिन, फिल्म पूरी होने के बाद जब उसने मुनाफे और निवेश की रकम मांगी तो टालमटोल शुरू हो गई।इसके बाद में जानकारी मिली कि फिल्म बिक चुकी है। करोड़ों रुपए का लाभ भी हुआ। लेकिन, निवेशक को उसका हिस्सा नहीं दिया गया। रकम मांगने पर पवन सिंह ने जान से मारने की धमकी दी। व्यवसायी ने पहले कैंट थाने और फिर पुलिस आयुक्त से शिकायत की। मगर, कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस की निष्क्रियता से निराश होकर उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय ने तथ्यों को गंभीर मानते हुए विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करने का आदेश पुलिस को दिया था।भोजपुरी स्टार पवन सिंह 11.7 करोड़ के मालिक है। जानकारी उन्होंने अपने नामांकन शपथ पत्र में दी थी। शपथ पत्र के अनुसार, पवन सिंह के पास 11 करोड़ 70 लाख 50 हजार की चल और अचल संपत्ति है। 1 करोड़ से अधिक की चार महंगी गाड़ियां है। इसमें एक स्कूटी भी शामिल हैं। इसके अलावा लखनऊ में एक और मुंबई में 4 फ्लैट है, जिसकी कीमत 5 करोड़ है। इसके साथ ही पटना और आरा में 1 करोड़ की जमीन है। वहीं, पवन सिंह पर शारीरिक शोषण समेत 7 मामले दर्ज हैं। पीड़ित व्यापारी की तहरीर पर प्रेमशंकर राय, उनकी पत्नी सीमा राय, अभिनेता पवन सिंह और निर्देशक अरविंद चौबे के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 406, 467, 468 और 506 में मुकदमा दर्ज किया गया है।

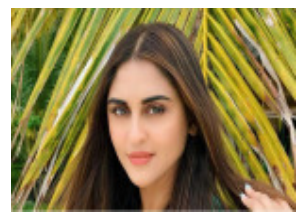

बॉयफ्रेंड का इंटरेस्ट अचानक कम हो गया:पहले बहुत लविंग-केयरिंग था, उसका किसी और से अफेयर तो नहीं

नोएडा। विषय पर बात समस्या व समाधान पर बात करेंगे एक्सपर्ट: डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी से सवाल जवाब के माध्यम से सवाल: मेरी उम्र 26 साल है। मैं और मेरा बॉयफ्रेंड 2

साल से रिलेशनशिप में हैं। हम दिल्ली यूनिवर्सिटी में रिसर्च स्कॉलर हैं। हमारी मुलाकात मास्टर्स के लास्ट ईयर में एक फेस्ट में हुई। हमारे रिश्ते में शुरू-शुरू में सबकुछ बहुत अच्छा था। वो बहुत केयरिंग था, लेकिन अब लगता है जैसे उसका इंटरेस्ट कम हो गया है। डेट पर जाने या फोन पर बात करने में भी उसे एक्साइटमेंट नहीं रहती है। लेकिन अगर मैं रिश्ते को खत्म करने की कोशिश करती हूं तो वो कहता है कि वह मुझे खोना नहीं चाहता है। क्या हमारे रिश्ते में प्यार की कमी है या यह केवल एक फेज है? कहीं वह मुझे धोखा तो नहीं दे रहा है? मुझे क्या करना चाहिए? जवाब: रिश्तों की शुरुआत में सबकुछ जादुई लगता है। प्यार, केयर, एक्साइटमेंट सब कुछ चरम पर होता है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, सबकुछ सामान्य होता जाता है। आपकी कहानी सुनकर लगता है कि आप ऐसे दौर से गुजर रही हैं, जहां बॉयफ्रेंड का बिहेवियर

बदल गया है। वह पहले जैसा केयरिंग नहीं है, बातों में उत्साह नहीं दिखता, लेकिन फिर भी वह आपको खोना नहीं चाहता है। ऐसे में मन में सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या यह प्यार की कमी है, कोई फेज है या फिर धोखा? हजारों युवा कपल्स, खासकर यूनिवर्सिटी लाइफ में ऐसी स्थिति से गुजरते हैं। हम आपके सवालों को स्टेप बाय स्टेप समझेंगे। सबसे पहले हम उस पॉइंट को याद करेंगे जहां से बदलाव शुरू हुआ, फिर उसके आसपास की घटनाओं को देखेंगे। हम उसके जीवन में चल रही कंडीशंस को चेक करेंगे, प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों पर बात करेंगे। अगर सब ठीक है तो क्या वह किसी और के साथ है? हम क्लू ढूंढेंगे और सॉल्यूशन पर बात करेंगे।सबसे पहले तो याद करिए कि ऐसा कौन सा पॉइंट था, जब आपने उसके व्यवहार में बदलाव नोटिस करना शुरू किया। रिश्ते में बदलाव अचानक नहीं आते; वे धीरे-धीरे होते हैं, लेकिन हम उन्हें बाद में नोटिस करते हैं। क्या यह आपके मास्टर्स के लास्ट ईयर के बाद शुरू हुआ, जब रिसर्च की जिम्मेदारियां बढ़ गईं? या फिर कोई स्पेसिफिक घटना थी। जैसे कोई झगड़ा, फैमिली प्रेशर, या यूनिवर्सिटी फेस्ट के बाद का समय? इस पॉइंट को पहचानना जरूरी है क्योंकि इससे आपको क्लियर पिक्चर मिलेगी कि समस्या की जड़ कहां है।अगर आप ये सारी चीजें किसी डायरी या पन्ने में लिखेंगी तो चीजें अधिक स्पष्ट होंगी। उदाहरण के तौर पर मान लीजिए, पहले आपका बॉयफ्रेंड हर शाम कॉल करता था, लेकिन अब वह बहाने बनाता है। क्या यह तब शुरू हुआ जब उसकी रिसर्च प्रोजेक्ट की डेडलाइन नजदीक आई? या फिर जब वह नए दोस्तों से मिलने लगा? इस तरह की यादें आपको स्पष्टता देंगी। अगर आप डायरी रखती हैं, तो पुराने नोट्स चेक करें। इससे आपको पता चलेगा कि क्या यह अस्थायी फेज है या कुछ गहरा।अब उसके आसपास की सिचुएशंस और घटनाओं पर नजर डालिए। इससे अधिक स्पष्टता मिलेगी। रिश्ते बाहर की दुनिया से प्रभावित होते हैं। क्या उस समय कोई बड़ा बदलाव हुआ था? जैसे, यूनिवर्सिटी में नया सेमेस्टर, फैमिली इश्यूज, या दोस्तों का नया ग्रुप। दिल्ली यूनिवर्सिटी की लाइफ व्यस्त होती है। रिसर्च, सेमिनार, सोशल इवेंट्स। शायद वह इनमें उलझ गया हो। लेकिन अगर ये घटनाएं सामान्य हैं, तो सोचिए कि क्या कोई छिपी बात है।मिसाल के तौर पर अगर वह पहले डेट पर एक्साइटेड रहता था, लेकिन अब कोई एक्साइटमेंट नहीं दिखाता है तो कई चीजों के पर गौर करना होगा। यह देखिए कि क्या उस समय वह किसी नए ग्रुप में शामिल हुआ? सोशल मीडिया पर उसके पोस्ट चेक करें। क्या वह ज्यादा समय दोस्तों के साथ बिता रहा है? ये क्लूज आपको बताएंगे कि बदलाव बाहरी कारणों से है या इंटरनल कारण हैं। अगर सब सामान्य लगता है, तो गहराई से सोचने की जरूरत है।क्या आपके बॉयफ्रेंड की जिंदगी में सबकुछ ठीक चल रहा है? क्या उसकी प्रोफेशनल लाइफ ठीक चल रही है? क्या उसकी पर्सनल लाइफ में सबकुछ ठीक है? ये सवाल पूछना जरूरी है क्योंकि कई बार इंटरेस्ट की कमी स्ट्रेस से आती है, न कि धोखे से। रिसर्च स्कॉलर की लाइफ मुश्किल होती है, थीसिस, प्रेजेंटेशन, फंडिंग इश्यूज। अगर उसकी प्रोफेशनल लाइफ में दिक्कत है, जैसे डेडलाइन मिस होना या गाइड से झगड़ा, तो वह डिस्ट्रैक्टेड हो सकता है। पर्सनल लाइफ में भी देखें, फैमिली, हेल्थ या फाइनेंशियल प्रॉब्लम।अगर वह कहता है कि सब ठीक है, लेकिन व्यवहार बदल गया है, तो यह अलर्ट है। अगर वह पहले अपनी प्रॉब्लम्स शेयर करता था, लेकिन अब नहीं करता है तो शायद वह दूर हो रहा है। लेकिन अगर स्ट्रेस है, तो यह सिर्फ एक फेज हो

सकता है। सपोर्टिव बनें, उससे पूछें कि क्या कुछ परेशान कर रहा है? इससे रिश्ता मजबूत होगा।अगर ये सबकुछ ठीक है तो ये संभव है कि वह किसी और के साथ है। यह सुनना मुश्किल है, लेकिन रियलिटी चेक जरूरी है। रिश्ते में इंटरेस्ट कम होना

कभी-कभी नई आकर्षण की वजह से होता है। यूनिवर्सिटी कैंपस में नए लोग मिलते हैं, क्लासमेट्स, फेस्ट पार्टिसिपेंट्स। अगर वह आपको खोना नहीं चाहता, लेकिन केयर नहीं दिखाता, तो यह कंफ्यूजन हो सकता है।यह भी संभव कि यह प्यार आपके पार्टनर के लिए कभी इस जगह तक पहुंचा ही नहीं था, जहां तक आपने इसे सोचा या महसूस किया। उसके लिए यह शुरुआती दिनों का एक्साइटमेंट हो सकता है, न कि डीप लव। 2 साल बाद रिश्ता रूटीन में बदल जाता है। अगर वह आपको खोना नहीं चाहता, लेकिन एफर्ट नहीं डालता तो शायद वह कंफर्ट जोन में चला गया है। अगर वह सचमुच प्यार में है तो वह अपनी गलती एडमिट करेगा और इसमें सुधार करेगा। प्यार की सच्चाई समझने के लिए ये हैं जरूरी फिल्टर्स- क्या सिर्फ एक्साइटमेंट था या कभी कमिटमेंट भी हुई? कभी फ्यूचर प्लानिंग या फैमिली इंट्रोडक्शन हुआ? आपने रिलेशनशिप में कुछ ज्यादा इमैजिन तो नहीं किया? क्या पार्टनर भी रिलेशनशिप में एफर्ट डालता है? इस सिचुएशन से निपटने के तरीके- अब सवाल है कि इससे बाहर कैसे निकलें। यहां कुछ काम के टिप्स हैं- खुद से बात करें: अपनी फीलिंग्स को डायरी में लिखें। इससे इमोशंस को समझने में क्लियरिटी आएगी। ओपन कम्युनिकेशन जरूरी: शांत मन से खुलकर बात करें। आरोप न लगाएं, अपनी भावनाएं शेयर करें। लिमिट्स तय करें: बताएं कि आपको क्या चाहिए, ज्यादा टाइम, केयर। सेल्फ-केयर जरूरी: यूनिवर्सिटी लाइफ में खुद को प्रायोरिटी दें। एक्सरसाइज करें, अपनी हॉबीज अपनाएं। प्रोफेशनल मदद लें: अगर डाउट्स ज्यादा हैं तो इसके लिए काउंसलर से मिलें। डिसीजन लें: अगर सुधार नहीं हो रहा है तो रिश्ते को खत्म करने पर विचार किया जा सकता है। समय सब ठीक नहीं करता है, लेकिन एफर्ट करता है। अगर पार्टनर की लाइफ में स्ट्रेस ज्यादा है तो ये सिर्फ एक फेज हो सकता है। इसका मतलब है कि उसे इस समय आपके ज्यादा सपोर्ट की जरूरत है। वहीं अगर धोखे के संकेत मिल रहे हैं तो इसका क्लू पता लगाएं। प्रोफेशनल मदद लें अगर जरूरी।रिश्ते उतार-चढ़ाव से गुजरते हैं, लेकिन सच्चा प्यार एफर्ट से बचता है। अपने अंदर की आवाज सुनें, क्लूज फॉलो करें, और जरूरी हो तो आगे बढ़ें। आप युवा हैं, जिंदगी में कई मौके हैं। खुद पर भरोसा रखें और खुश रहें। अगर जरूरत हो तो काउंसलिंग लें यह कमजोरी नहीं स्ट्रेंथ है।

क्रिस्टल डिसूजा के पेरेंट्स को भेजे गए उनके बोल्ड सीन:भड़ककर कहा- मैं आपका परिवार बर्बाद कर सकती हूं

मुंबई। एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने हाल ही में खुलासा किया है कि कुछ ट्रोलर्स उनके बोल्ड सीन के क्लिप निकालकर उनके पेरेंट्स को भेजते हैं और भद्दे कमेंट्स करते

हैं। एक्ट्रेस ने ऐसे ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए कहा है कि वो चाहें तो उनके परिवार बर्बाद कर सकती हैं। जूम को दिए इंटरव्यू में क्रिस्टल डिसूजा ने कहा, 'मैंने अपनी फिल्मों में कुछ बोल्ड सीन किए हैं। लोग उन सीन को कट कर उन क्लिप्स को मुझे भेजटे हैं और भद्दी बातें लिखते हैं। वाकई भद्दी। चीप। फिर मैं उनकी प्रोफाइल में जाती हूं और देखती हैं कि उनकी पत्नी है, उनकी बेटी है और हम सोचते हैं कि ये ऐसा कैसे कर रहे हैं। क्या होगा अगर मैं वो स्क्रीनशॉट शेयर कर दूं। मैं आपके परिवार को बर्बाद कर सकती हूं। इस पॉइंट पर आप मेरी मेंटल हेल्थ खराब नहीं कर सकते, लेकिन मैं आपकी फैमिली को इस पॉइंट पर बर्बाद कर सकती हूं। आपके पास ऐसा करने की हिम्मत कैसे हो सकती है। मैं ये आपकी पत्नी को सेंड कर सकती हूं। आप अपनी बेटी के फ्यूचर के बारे में सोचिए।' आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे ये सब दिल पर लेने की जरूरत नहीं है। हां मुझे इन चीजों से फर्क पड़ता है। मेरे पेरेंट्स भी सोशल मीडिया पर हैं। उन्हें भी वही मैसेज मिलते हैं, उनके साथ भी वही होता है। इससे मुझे ज्यादा तकलीफ होती है। आप मुझे कह सकते हैं कि मैंने फिल्म में क्या किया है, आप उन्हें क्यों कह रहे हैं। लेकिन लोगों को पता है कि कहां चोट मारने से ज्यादा तकलीफ होगी। ' आखिर में क्रिस्टल ने कहा, 'अब मैं या वो इससे परेशान नहीं होते। मुझे लगता है कि अब मैं मोटी चमड़ी की हो गई हूं।' इसी इंटरव्यू में क्रिस्टल ने महज 15 साल की उम्र में हुए लोकल ट्रेन में छेड़छाड़ का शिकार होने पर भी बात की है। एक्ट्रेस ने कहा है कि वो लोकल ट्रेन में सफर करती थीं। उनकी उम्र 15 साल थी। एक बार एक शख्स ने खाली लेडीज कंपार्टमेंट देखकर उसमें चढ़ने की कोशिश की और एक्ट्रेस को छूने की कोशिश की। एक्ट्रेस ने तुरंत उस शख्स का हाथ पकड़कर उसे बाहर धकेल दिया था। एक्ट्रेस ने कहा कि वो इस घटना के बाद कांपने लगी थीं, जिसके बाद आसपास की महिलाओं ने उन्हें शांत किया था। इसके बाद उन्होंने लोकल ट्रेन से सफर करना बंद कर दिया था। बताते चलें कि क्रिस्टल डिसूजा ने साल 2007 में टीवी शो कहें न कहें से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।

सफेद साड़ी लुक में शिवानी तोमर ने जीता लोगों का दिल, मिली 'हुस्न की देवी' की संज्ञा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुंबई। टीवी और वेब की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से

पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस शिवानी तोमर ने हाल ही में अपने सफेद साड़ी लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इस लुक में उनकी खूबसूरती और गरिमा ने फैन्स को इतना प्रभावित किया कि उन्हें 'हुस्न की देवी' तक कह डाला। शिवानी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें वो सफेद सिल्क साड़ी में बेहद एलिगेंट और ग्रेसफुल नजर आ रही हैं। खुले बाल, मीनिमल मेकअप और पारंपरिक ज्वेलरी के साथ उनका यह रूप न केवल ग्लैमर को परिभाषित करता है, बल्कि भारतीय संस्कृति की सुंदरता को भी दर्शाता है। उनके फैंस ने कमेंट सेक्शन में तारीफों की झड़ी लगा दी। किसी ने उन्हें 'एंजेल इन वाइट' कहा, तो किसी ने 'रॉयल ब्यूटी' का खिताब दिया।

शिवानी तोमर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि स्टाइल के साथ अगर सादगी और आत्मविश्वास जुड़ जाए, तो हर लुक खास बन जाता है। उनकी यह अदा और लुक न सिर्फ ट्रेंड बन चुका है, बल्कि फैशन लवर्स के लिए एक प्रेरणा भी।

शक्ति कपूर हुए 73 के, मिथुन चक्रवर्ती ने काटे बाल,लता मंगेशकर की भांजी से भागकर की शादी, एक्सीडेंट ने बदली किस्मत; शराब से परेशान थीं श्रद्धा

मुंबई। शक्ति कपूरष्ठ एक ऐसा नाम, जिसने हिंदी सिनेमा में कभी खलनायक बनकर डराया, तो कभी अपनी कॉमिक टाइमिंग से लोगों का दिल जीत लिया। फिर चाहे वो नंदू सबका बंदू हो या क्राइम मास्टर गोगो, हर किरदार में उन्होंने जान डाल दी। बचपन से शक्ति कपूर को क्रिकेट खेलने का शौक था, लेकिन उनके पिता चाहते थे कि वह कपड़ों की दुकान संभालें। इस बात से वह खुश नहीं थे और अक्सर परेशान रहने लगे। ऐसे में उनके दोस्तों ने चुपचाप फिल्म इंस्टीट्यूट का फॉर्म भर दिया और यहीं से शुरू हुई बॉलीवुड का सबसे बड़ा खलनायक बनने की कहानी। शक्ति कपूर एक मिडिल क्लास परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक कपड़ों की दुकान चलाते थे। कपड़े तैयार करने के लिए उनके पास अलग-अलग यूनिट्स थीं। उनके पिता चाहते थे कि पढ़ाई पूरी करने के बाद वह दुकान को संभालें, क्योंकि उन्हें लगता था कि शक्ति इसे अच्छी तरह चला सकते हैं। हालांकि, शक्ति की रुचि बचपन से ही खेलों में थी, खासकर क्रिकेट में। उन्होंने स्टेट लेवल तक क्रिकेट खेला था और स्पोर्ट्स कोटे के तहत ही उनका किरोड़ीमल कॉलेज में एडमिशन हुआ था। शक्ति कभी भी दुकान पर बैठना नहीं चाहते थे। वे टूर एंड ट्रैवल का बिजनेस करना चाहते थे, जिसकी वजह से अक्सर उनका अपने पिता से झगड़ा हो जाता था।शक्ति के मन में हमेशा यही चलता रहता था कि उन्हें अपने पिता की दुकान संभालनी पड़ेगी। यही सोचकर वे अक्सर परेशान रहने लगे थे। ये बात उन्होंने दोस्तों को भी बताई। उनके कुछ दोस्त फिल्म संस्थान 'इऊघ्' (फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) का फॉर्म भर रहे थे, तो उन्होंने शक्ति कपूर का फॉर्म भी भर दिया। उस समय तक शक्ति को एक्टिंग में कोई खास रुचि नहीं थी। कुछ समय बाद उनके घर एक चिट्ठी आई, जिसमें एफटीआईआई के रिटन टेस्ट के लिए दिल्ली आने को कहा गया था। पहले तो वे हैरान रह गए कि यह कैसे हुआ। जब दोस्तों से पूछा, तो उन्होंने सारी बातें बताईं और टेस्ट देने के लिए साथ चलने को कहा। इसके बाद वह दोस्तों के साथ टेस्ट देने चले गए। बाद में उन्हें ऑडिशन के लिए बुलाया गया, तो वह भी देने पहुंच गए। ऑडिशन के दौरान उन्होंने देखा कि सामने दिग्गज अभिनेता अशोक कुमार (दादा मुनि), अभिनेत्री कामिनी कौशल और प्रसिद्ध निर्देशक ऋषिकेश मुखर्जी बैठे थे। उनके सामने परफॉर्म करना था। इतने बड़े नामों को देखकर सबसे पहले उन्होंने उनके पैर छुए और मन ही मन बहुत खुश हुए कि ऐसे लोगों से मिलने का अवसर मिला। उन्हें पूरा यकीन था कि यहां उनका कुछ नहीं होने वाला, इसलिए नर्वस नहीं हुए और अपने डायलॉग्स बोलने लगे। इस दौरान देशभर से करीब 48,000 लोगों ने टेस्ट दिया था, लेकिन सिलेक्शन सिर्फ 10 लड़कों का ही होना था। दिल्ली से केवल तीन लड़के चुने गए अनिल धवन, नसीरुद्दीन शाह और शक्ति कपूर।शक्ति कपूर के सिलेक्शन से

उनके दोस्त चौंक गए और उन्हें लगा कि शायद पैसे देकर सिलेक्शन करवाया गया है। बाद में शक्ति कपूर ने अपनी मां को बताया कि उनका एफटीआईआई में चयन हो गया है और अब स्क्रीन टेस्ट के लिए बुलाया गया है। वह पुणे पहुंचे और स्क्रीन टेस्ट में भी पास हो गए।जब शक्ति कपूर दिल्ली छोड़कर पुणे के एफटीआईआई जा रहे थे, तो ट्रेन में उनकी मुलाकात एक शख्स से हुई,

जो खुद भी वहीं एडमिशन लेने जा रहा था। सफर के दौरान दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई। चूंकि कोर्स शुरू होने में कुछ वक्त था, उस दौरान वह दोस्त अपनी बहन की शादी में शामिल होने मुंबई जा रहा था और शक्ति कपूर भी उसके साथ चले गए। मुंबई में उन्हें पता चला कि शादी उस वक्त के मशहूर एक्टर विनोद खन्ना के भाई प्रमोद खन्ना की है। शादी में राकेश रोशन सहित कई बॉलीवुड हस्तियां मौजूद थीं। यह देखकर शक्ति कपूर को भी अपने भीतर एक स्टार जैसा फील होने लगा। डीडी उर्दू को दिए एक इंटरव्यू में शक्ति कपूर ने बताया, जब हम पुणे पहुंचे तो मेरे हाथ में बीयर थी और मैं इस बात से बेहद खुश था कि जैसे मैं पहले ही स्टार बन चुका हूं। हॉस्टल पहुंचने पर मैंने देखा कि एक लड़का खड़ा है, जिसकी धोती में इतने छेद थे कि गिन पाना मुश्किल था। वह सांवला था, लेकिन उसकी बॉडी मजबूत और हट्टी-कट्टी थी। उसने राकेश रोशन को देखा और झुककर उनके पैर छुए। फिर मैंने उस लड़के से बीयर पीने के लिए पूछा, लेकिन उसने मना कर दिया और कहा कि इंस्टीट्यूट में इसकी अनुमति नहीं है। फिर उसने अपना परिचय दिया और कहा कि मैं मिथुन चक्रवर्ती हूं। जब राकेश रोशन और प्रमोद खन्ना वहां से चले गए, तो वह मुझे हॉस्टल के कमरे में ले गए। वहां कुछ सीनियर्स पहले से मौजूद थे। सभी ने मिलकर मेरी रैगिंग की। बाल काट दिए और पूल के पास ले जाकर दौड़ाया भी। मैं बहुत ज्यादा घबरा गया। मैंने उस पल भगवान को याद किया। मुझे लगा कि मैं फंस गया हूं। गड़बड़ हो गई है। मैं पछता रहा था। रोने लगा और कहने लगा कि मुझे दिल्ली वापस जाना है। मैं एक्टर नहीं बनना चाहता। मुझे माफ कर दो। हालांकि, इसके बाद मिथुन चक्रवर्ती ने आगे आकर मेरी मदद की। उन्होंने सीनियर्स से कहा कि बात को यहीं खत्म किया जाए।जब शक्ति पुणे के इऊघ्में पढ़ाई कर रहे थे, तभी एक दिन निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी क्लास लेने आए। उन्होंने वहीं पर शक्ति को अपनी फिल्म 'खेल खिलाड़ी का' के लिए ऑफर दे दिया। उन्होंने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और यहीं से उनके एक्टिंग करियर की शुरुआत हो गई। कुछ ही समय बाद उन्होंने इऊघ् से अपनी पढ़ाई पूरी कर ली और फिर मुंबई आ गए। शुरुआत में वे सांताक्रुज इलाके में एक पीजी में रहने लगे, लेकिन किस्मत हमेशा उनके साथ रही। जैसे ही विनोद खन्ना को यह पता चला कि शक्ति कपूर पीजी में रह रहे हैं, उन्होंने तुरंत उन्हें फोन किया और कहा तुम पीजी में मत रहो, मेरे बंगले में आकर रहो। इसके बाद शक्ति कपूर लगभग चार साल तक विनोद खन्ना के बंगले में रहे। इस दौरान उन्होंने मॉडलिंग भी शुरू कर दी और इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। शक्ति कपूर दो दिग्गज अभिनेताओं डेनी डेंजोंगपा और रंजीत के बहुत बड़े प्रशंसक थे। खासकर रंजीत ने शक्ति कपूर के करियर में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने ही उन्हें फिल्म 'दरवाजा' दिलवाई थी। दोनों एक साथ स्ट्रगल भी करते रहे और इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।जैसे ही शक्ति कपूर को मॉडलिंग से पैसे मिले तो उन्होंने 11 हजार रुपए में एक फिएट कार खरीद ली। इसी कार से वह शूटिंग पर जाया करते थे। एक दिन जब वह शूटिंग के लिए जा रहे थे, तो उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। गुस्से में शक्ति कपूर कार से बाहर निकले। दूसरी कार से जो व्यक्ति बाहर निकला, उसे देखकर शक्ति हैरान रह गए, क्योंकि वह और कोई नहीं बल्कि मशहूर अभिनेता फिरोज खान थे। यह देख कर शक्ति कपूर हक्का-बक्का रह गए और तुरंत माफी मांगने लगे। बातचीत के दौरान उन्होंने फिरोज खान को अपने बारे में भी बताया। इसके बाद दोनों वहां से निकल गए। शाम को शक्ति अपने करीबी केके शुक्ला के घर पहुंचे। शुक्ला की पत्नी, शक्ति की मुंहबोली बहन थीं, इस कारण आपसी संबंध पारिवारिक जैसे थे। बातचीत के दौरान केके शुक्ला ने कहा, मैं एक फिल्म में तुम्हारे लिए रोल की बात करने ही वाला था। फिरोज उस भूरी आंखों वाले लड़के की तलाश कर रहे हैं, जो गाड़ी से गुस्से में बाहर निकला था। उसके चेहरे और आंखों में एक खास किस्म का विलेन वाला तेज था। यह सुनकर शक्ति कपूर खुशी से चिल्ला उठे और कहा, मैं ही वो लड़का हूं जिससे आज फिरोज खान की कार का एक्सीडेंट हुआ था। इसके बाद शुक्ला ने तुरंत फिरोज खान को कॉल करके शक्ति कपूर के बारे में बताया। इस तरह एक साधारण-सा कार एक्सीडेंट शक्ति कपूर के करियर का टर्निंग पॉइंट बन गया। उन्होंने 1980 में आई फिरोज खान की सुपरहिट फिल्म 'कुर्बानी' में विलेन का किरदार निभाया। इसके बाद दोनों साथ में कच्चे हीरे, जांबाज और दो वक्त की रोटी जैसी कई फिल्मों में नजर आए।शक्ति कपूर लगातार विलेन का किरदार निभा रहे थे। उन्हें उसी तरह के रोल ऑफर हो रहे थे। ऐसे में उन्हें लगा कि कहीं वह टाइपकास्ट न हो जाएं। तब उन्होंने अपना जॉनर बदला और कॉमेडी में हाथ आजमाने का फैसला किया। लेकिन यहां भी एक वक्त ऐसा आया जब उन्हें लगा कि अब फिल्म इंडस्ट्री छोड़ देनी चाहिए। दरअसल, फिल्म 'मवाली' की शूटिंग के दौरान उन्होंने अरुणा ईरानी, कादर खान और जीतेंद्र के साथ काम किया। शूटिंग के पहले दिन जब पहला शॉट हुआ, तो अरुणा ईरानी ने उन्हें एक जोरदार चांटा मारा। दूसरे शॉट में जीतेंद्र ने थप्पड़ जड़ दिया और तीसरे शॉट में कादर खान ने भी वही किया। तीन थप्पड़ खाकर शक्ति कपूर परेशान हो गए। वे फाइट मास्टर वीरू देवगन (अजय देवगन के पिता) के पास गए और बोले, मैं टॉप का विलेन हूं, लेकिन यहां तो मुझे थप्पड़ पर थप्पड़ पड़ रहे हैं। मुझे ये फिल्म नहीं करनी है। इतना ही नहीं, उनके मन में इंडस्ट्री छोड़ने का ख्याल भी आया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।